mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-42 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
12 फरवरी 2026 गुरुवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

मोहाली में 16 स्कूलों को उड़ाने की धमकी :चंडीगढ़-पंजाब के बम स्क्वॉड से जांच

मोहाली, एजेंसी। मोहाली के स्कूल-कॉलेजों को बुधवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। सुबह करीब साढ़े 7 बजे भेजी मेल में कहा गया कि इनमें दोपहर 1.11 बजे बम ब्लास्ट होगा। इस मेल में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी मानव बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके अलावा 13 फरवरी को दोपहर 2.11 बजे नई दिल्ली स्थित संसद में भी बम धमाके की धमकी दी गई है। सुबह 8.50 बजे स्कूल खुलने थे, इससे पहले ही मेल पहुंच गई। जैसे ही धमकी भरी मेल मिली तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद स्कूलों में तत्काल छुट्टी कर दी गई। स्कूल मैनेजमेंट्स ने पेरेंट्स को अर्जेंट मैसेज भेजकर अपने बच्चों को घर ले जाने को कहा। इसके अलावा स्कूल बसों को भी गेट से ही लौटा दिया गया।

सीबीएसई 12वीं की एक करोड़ कॉपियां डिजिटली चेक होंगी

नई दिल्ली ,एजेंसी। इस बार सीबीएसई 12वीं के 17 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स की कॉपियां ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम से जांची जाएंगी। मतलब ये कि इन्हें डिजिटल तरीके से जांचा जाएगा। सीबीएसई 12वीं की बोर्ड परीक्षा 17 फरवरी से 10 अप्रैल तक होनी है। इसके लिए हर छात्र की सभी आंसर शीट्स (उत्तरपुस्तिका) के हर पन्ने को परीक्षा केंद्र में ही स्कैन करके कंप्यूटर सिस्टम में अपलोड किया जाएगा। करीब 1 करोड़ कॉपियों के लगभग 32 करोड़ पन्ने स्कैन करके अपलोड होंगे। परीक्षक इन डिजिटल कॉपियों की जांच करके ही नंबर देंगे।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में भारत को और राहत

दाल और 500 अरब डॉलर की खरीद भी जरूरी नहीं

वॉशिंगटन डीसी/नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने भारत के साथ हुई हालिया ट्रेड डील पर जारी अपनी फैक्ट शीट में कई बड़े बदलाव किए हैं। पहले जिन बातों का साफ जिक्र था, अब उन्हें या तो हटा दिया गया है या उनकी भाषा बदली गई है। पिछले हफ्ते दोनों देशों ने ट्रेड डील का ऐलान किया था। इसके बाद व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट जारी कर आगे की रूपरेखा बताई थी। लेकिन अब उसी दस्तावेज का नया वर्जन जारी हुआ है।

सबसे बड़ा बदलाव दाल को लेकर है। पहले कहा गया था कि भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम या खत्म करेगा, जिसमें दाल भी शामिल थी। अब नए दस्तावेज से दाल का जिक्र हटा लिया गया है।

500 अरब डॉलर की खरीद को लेकर भी भाषा बदली गई है। पहले लिखा था कि भारत, अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने के लिए कमिटेड है। अब इसे बदलकर इरादा रखता है कर दिया गया है।

डिजिटल सर्विस टैरिफ पर भी अमेरिका के रुख में नरमी : नए दस्तावेज में सिर्फ एनर्जी, सूचना और संचार तकनीक, कोयला और कुछ अन्य सामान की बात कही गई है। डिजिटल सर्विस टैरिफ पर भी अमेरिका ने नरमी दिखाई है। पहले कहा गया था कि भारत यह टैरिफ हटाएगा। अब सिर्फ इतना लिखा है कि भारत डिजिटल ट्रेड के नियमों पर बातचीत के लिए तैयार है।

अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल इम्पोर्ट के कारण पेनल्टी के रूप में लगाए गए 25% टैरिफ को वापस करने का भी फैसला लिया है। इस फैसले से भारतीय कारोबारियों को 40 हजार करोड़ की राहत मिलने की उम्मीद है। व्हाइट हाउस आधिकारिक जानकारी के मुताबिक 27 अगस्त 2025 से लेकर 6 फरवरी 2026 के बीच अमेरिका द्वारा किए गए जिन इम्पोर्ट पर यह पेनल्टी लगी थी, उनका रिफंड दिया जाएगा।

एमएनएस को बड़ा अधिकार, सैन्य नर्सिंग सेवा कर्मियों को मिला पूर्व सैनिक दर्जा

सिविल नौकरियों में आरक्षण तय

नई दिल्ली, एजेंसी। सैन्य नर्सिंग सेवा यानी एमएनएस से जुड़े कर्मियों के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब एमएनएस से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को भी पूर्व सैनिक का दर्जा मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें सिविल सरकारी नौकरियों में आरक्षण और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। यह फैसला लंबे समय से उठ रही मांग के बाद लिया गया है। सरकार के नए संशोधित नियम लागू होने के साथ यह व्यवस्था प्रभावी हो गई है।

सरकार ने पूर्व सैनिक पुनर्नियोजन नियमों में संशोधन कर एमएनएस कर्मियों को भी उसी श्रेणी में शामिल कर लिया है, जिसमें अब तक सेना, नौसेना और वायुसेना के पूर्व जवान आते थे। नए पूर्व सैनिक (केंद्रीय सिविल सेवा और पदों में पुनः रोजगार) संशोधन नियम, 2026 के तहत यह बदलाव किया गया है। इससे एमएनएस के सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मियों को अब समान अधिकार मिलेंगे।

अधिसूचना कब से लागू : रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अधिसूचना संविधान के अनुच्छेद 309 के तहत जारी की गई है। नए नियम 9 फरवरी 2026 से लागू माने जाएंगे। संशोधित प्रावधान में साफ कहा गया है कि सैन्य नर्सिंग सेवा में किसी भी रैंक पर सेवा देने वाले कर्मी सेवानिवृत्ति के बाद पूर्व सैनिक माने जाएंगे। इससे पहले एमएनएस कर्मी इस दायरे में शामिल नहीं थे।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर फांदकर ट्राले में घुसी, शादी से लौट रहे 6 दोस्तों की मौत

दौसा, एजेंसी। राजस्थान के दौसा जिले में बीती रात एक हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें छह युवकों की अकाल मृत्यु हो गई। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे (एनएच-21) पर कैलाई गांव के पास एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर फांद गई और सामने से आ रहे एक भारी ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वह ट्रेलर के अगले हिस्से में बुरी तरह फंस गई। इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी युवक आपस में गहरे दोस्त थे और एक शादी समारोह से खुशियां मनाकर अपने घर लौट रहे थे।

हादसा रात करीब 11 बजे के आसपास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की गति काफी अधिक थी। अचानक चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण कार डिवाइडर को पार करते हुए दूसरी लेन में चली गई और सामने से आ रहे ट्रेलर के नीचे जा घुसी। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि टक्कर की आवाज इतनी जोरदार थी कि आसपास के ग्रामीण तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। सूचना मिलने पर सिकंदरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। कार की स्थिति इतनी खराब हो चुकी थी कि उसमें फंसे युवकों को निकालने के लिए क्रेन की सहायता लेनी पड़ी। काफी मशक्कत के बाद कार को ट्रेलर से अलग कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

कनाडा के स्कूल में गोलीबारी, हमलावर समेत दस की मौत; शहर में बढ़ाई गई सुरक्षा

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां एक स्कूल में हुई गोलीबारी में हमलावर समेत दस लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी मंगलवार को कनाडाई पुलिस ने दी। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के अनुसार, संदिग्ध हमलावर मृत पाया गया है। पुलिस का मानना है कि उसने खुद को गोली मारी। हालांकि, अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या इस घटना में कोई दूसरा संदिग्ध भी शामिल था।

बता दें कि गोलीबारी टम्बलर रिज नामक छोटे शहर में हुई, जिसकी आबादी लगभग 2,400 लोग है। पुलिस ने लोगों से घर के अंदर रहने और सुरक्षित रहने की अपील की है। आसपास के क्षेत्रों से अतिरिक्त पुलिस बल भी भेजे गए हैं।

स्कूलों में बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था : पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने बताया कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल और टम्बलर रिज एलीमेंट्री स्कूल को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई है। बता दें कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 7 से 12 तक लगभग 175 छात्र पढ़ते हैं।

भारी सुरक्षा और मेडिकल सहायता : पीस रिवर साउथ के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने कहा कि इस घटना के बाद पुलिस और एंबुलेंस जैसी अतिरिक्त टीमें भेजी गई हैं। उन्होंने सुरक्षा कारणों से ज्यादा जानकारी साझा करने से इनकार किया।

जन गण मन से पहले बजेगा वंदे मातरम

● 3 मिनट 10 सेकेंड के राष्ट्रगीत के दौरान खड़े होना जरूरी; केंद्र ने नई गाइडलाइन जारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, अब सरकारी कार्यक्रमों, सरकारी स्कूलों के आयोजनों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान उसके सम्मान में हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान को एक साथ गाया या बजाया जाता है, तो वंदे मातरम पहले बजेगा, और इस दौरान गाने या सुनने वालों को सावधान मुद्रा में खड़ा रहना होगा। ताकि सम्मान और राष्ट्रीय भावना का स्पष्ट संदेश मिले। नए नियमों के अनुसार, अब वंदे मातरम का छह पैराग्राफ वाला 3 मिनट और 10 सेकंड का पूरा संस्करण बजाया जाएगा। इसमें दुर्गा सहित तीन हिंदू देवियों का उल्लेख है। अब तक वंदे मातरम के मूल गीत के छह पैरा में से केवल पहले दो पैरा ही गाए जाते थे।

आज देशभर में बैंक हड़ताल: नए लेबर कोड और 5-डे वर्क वीक की मांग को लेकर कर्मचारियों का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर में आज यानी 12 फरवरी को सभी बैंक के कर्मचारी हड़ताल पर रहेंगे। देश के बड़े बैंक संगठनों ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन (AIBEA), ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (AIBOA) और बैंक एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (BEFI) जैने कल हड़ताल का ऐलान किया है।

हड़ताल के चलते स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने ग्राहकों को सूचित किया है कि 12 फरवरी को हड़ताल के कारण बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। एसबीआई के अलावा आईडीबीआई (IDBI) बैंक को भी यूनियन की ओर से हड़ताल का नोटिस मिला है। हालांकि, RBI या अन्य बैंकों ने इस दिन छुट्टी घोषित नहीं की है, लेकिन कर्मचारियों के हड़ताल में शामिल होने से शाखाओं में कामकाज पर प्रभाव पड़ेगा।

नए लेबर कोड का विरोध कर रहे कर्मचारी : हड़ताल का मुख्य कारण केंद्र सरकार के 4 नए लेबर कोड हैं। यूनियनों का कहना है कि ये कोड 29 पुराने श्रम कानूनों की जगह लेंगे,

जिससे कर्मचारियों के अधिकारों में कटौती होगी और ट्रेड यूनियनों का रजिस्ट्रेशन कराना मुश्किल हो जाएगा।

इसके साथ ही कर्मचारी लंबे समय से बैंकिंग सेक्टर में 5-डे वर्क वीक (हफ्ते में 5 दिन काम) लागू करने की मांग कर रहे हैं। यूनियनों का तर्क है कि काम के बढ़ते दबाव के कारण कर्मचारियों का वर्क-लाइफ बैलेंस बिगड़ रहा है। फिलहाल बैंकों में दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी रहती है, जिसे कर्मचारी हर शनिवार लागू करने की मांग कर रहे हैं।

कौन-कौन सी सर्विसेज चालू रहेंगी?

UPI और डिजिटल पेमेंट : गूगल पे, फोनपे , पेटीएम और भीम यूपीआई (BHIM UPI) पूरी तरह काम करेंगे। आप दुकानों पर पेमेंट और ऑनलाइन शॉपिंग आराम से कर सकेंगे।

इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग : आप अपने मोबाइल एप या कंप्यूटर से पैसे ट्रांसफर (IMPS/NEFT/RTGS) कर पाएंगे। बैलेंस चेक करना या बिल पेमेंट जैसे काम चलते रहेंगे।

प्राइवेट बैंक : HDFC, ICICI, और Axis जैसे बड़े प्राइवेट बैंक खुले रहेंगे। इनके कस्टमर्स के सभी काम सामान्य रूप से चलते रहेंगे।

एटीएम (ATM): तकनीकी रूप से एटीएम बंद नहीं किए जाते। यदि एटीएम में कैश मौजूद है, तो आप कार्ड से पैसे निकाल पाएंगे।

लोकसभा में रिजिजू बोले- पीएम पर आरोप लगाया, सबूत दें

राहुल ने कहा- अभी दे रहा; स्पीकर बोले- मैंने नहीं मांगा; एपस्टीन फाइल्स के जिक्र पर हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को भाषण दिया। उन्होंने अमेरिका के साथ ट्रेड डील, एपस्टीन फाइल्स के खुलासे और बजट को लेकर सरकार की आलोचना की। राहुल ने कहा- अमेरिका और चीन की नजर भारत के लोगों के डेटा पर है। अगर अमेरिका को सुपरपावर बने रहना हैं तो इसकी चाबी भारतीय डेटा ही है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा- अगर हमारी सरकार होती और इंडिया ब्लॉक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से बातचीत कर रहा होता तो मैं कहता कि डील पर बराबरी से बात होगी। हम आपके नौकर नहीं है। क्या अमेरिका तय करेगा कि हम किससे तेल खरीदेंगे। राहुल ने कहा- आपने (केंद्र सरकार) भारत को बेच दिया है। आपने हमारी मां, भारत माता को बेच दिया है। क्या आपको भारत माता को बेचने में शर्म नहीं आती? मैं जानता हूं कि प्रधानमंत्री ने भारत को क्यों बेचा? क्योंकि ट्रम्प उनका गला दबा रहे हैं।

राहुल बोले- एपस्टीन फाइल्स में अनिल अंबानी का नाम, इसलिए वे जेल नहीं गए

राहुल गांधी ने कहा- अनिल अंबानी को जेल क्यों नहीं हुई? क्योंकि उनका नाम एपस्टीन फाइल्स में है। मैं हरदीप पुरी से भी पूछना चाहता हूं। मैं जानता हूं कि अनिल अंबानी को एपस्टीन से किसने मिलवाया था, और हरदीप पुरी भी जानते हैं कि किसने उन्हें मिलवाया था।

राहुल बोले- क्या सरकार को भारत को बेचने में कोई शर्म नहीं आई- राहुल गांधी ने कहा- मैं कह रहा हूं कि आपने (केंद्र सरकार) भारत को बेच दिया है। क्या आपको भारत को बेचने में शर्म नहीं आई? क्या आपको भारत को बेचने में कोई शर्म नहीं है? आपने हमारी मां, भारत माता को बेच दिया है। राहुल ने कहा- मैं जानता हूं कि प्रधानमंत्री सामान्य परिस्थितियों में भारत को नहीं बेचते। आप जानते हैं उन्होंने भारत को क्यों बेचा? क्योंकि ट्रम्प उनका गला घोंट रहे हैं। उन्होंने उनकी गर्दन पकड़ रखी है। हम प्रधानमंत्री की आंखों में डर देख सकते हैं।

नरवणे की किताब पर रिजिजू बोले- राहुल संवेदनशील मुद्दे का इस्तेमाल कर रहे

पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे (रिटायर्ड) की किताब को लेकर उठे विवाद पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- यह पूरा मामला देश की जनता के सामने है कि संसद का एक सदस्य (राहुल गांधी) किस तरह सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील मामले का गलत तरीके से राजनीतिक लाभ उठाने के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है।

रिजिजू ने कहा- यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर सेना प्रमुख और रक्षा मंत्री की हर बातचीत, सीनियर सेना अधिकारियों के बीच या प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के बीच हर बातचीत सार्वजनिक कर दी जाएगी, तो देश की सुरक्षा कैसे कायम रखी जा सकती है?

यूपी का 9.12 लाख करोड़ का रिकॉर्ड बजट, बेटियों को 1 लाख

स्मार्ट फोन के लिए 2374 करोड़ रुपए बांटे जाएंगे

लखनऊ, एजेंसी। योगी सरकार ने चुनाव से पहले अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश किया। 9 लाख 12 हजार करोड़ का ये बजट पिछले साल से 12% ज्यादा है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिलाओं, इंफ्रास्टक्चर पर खास फोकस किया गया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 43 हजार करोड़ रुपए की नई योजनाएं शुरू करने का ऐलान किया। अब बेटियों की शादी के लिए 51 हजार की जगह 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। 10 लाख युवाओं को रोजगार दिए जाएंगे। प्रदेश में 60 मेडिकल कॉलेज हैं, 16 नए और खोले जाएंगे। 3 यूनिवर्सिटीज को भी शुरू किया जाएगा। केंद्र की तरह ही राज्य सरकार 7 शहरों को स्मार्ट सिटी डेवलप करेगी।

मेधावी छात्रों को 400 करोड़ रुपए से स्कूटी बांटी जाएंगी। वहीं, मध्यम वर्ग को घर दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद नई न्यू रेजीडेंसियल स्कीम लॉन्च करेगी। 34 हजार करोड़ रुपए से नार्थ-ईस्ट कॉरिडोर बनाया जाएगा। गोरखपुर से लेकर नेपाल बॉर्डर होते हुए सहारनपुर तक जाएगा। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट में अब 2 की बजाय अब 5 रनवे बनेगा।

योगी सरकार ने बजट का 25% इंफ्रास्टक्चर को दिया है। वहीं, कृषि को 12%, उच्च से लेकर बेसिक एजुकेशन को 12.50 से 15% तक, जबकि हेल्थ को 6-8% अमाउंट दिया गया है। सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का ऋण बिना ब्याज, बिना गारंटी मिलेगा। सरकार ने एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए 225 करोड़ रुपए दिए हैं। अयोध्या और नैमिषारण्य के विकास के लिए 100-100 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा, मेरठ, मथुरा-वृंदावन और कानपुर विकास प्राधिकरण के विकास के लिए 800 करोड़ रुपए दिया जाएगा।

राजस्थान में 8वें वेतन आयोग और 30 हजार युवाओं को ब्याजमुक्त लोन का ऐलान

सभी को फ्री इलाज, किसानों को सस्ती बिजली

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान सरकार की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने लगातार तीसरा फुल बजट पेश किया। करीब 2 घंटे 54 मिनट के बजट भाषण में दीया कुमारी ने सरकारी कर्मचारियों, किसानों के साथ हेल्थ सेक्टर, पेयजल, ट्रांसपोर्ट सेक्टर में कई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा- 8वें वेतन आयोग के लिए हाईपावर कमेटी बनाई जाएगी। परीक्षाओं के लिए नई टेस्टिंग एजेंसी का भी बजट में ऐलान किया गया है। सरकार स्कूली बच्चों को खेल किट और जादुई पिटारा भी देगी।

जिन मरीजों के पास डॉक्यूमेंट्स नहीं है उन्हें भी अब राजस्थान में फ्री इलाज मिलेगा। बजट में मुख्यमंत्री लखपति दीदी योजना में अब कर्ज की सीमा को 1 लाख से बढ़ाकर 1.50 लाख किया है।

बजट में जलदाय विभाग में 3 हजार संविदा कर्मियों की नियुक्ति की घोषणा की गई है। सरकार नई जल नीति भी लाएगी। करीब 6500

गांवों को हर घर नल हर घर जल योजना से जोड़ा जाएगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में सरकार 1800 करोड़ रुपए की लागत से नई सड़कें और ब्रिज बनाएगी। 4 जिलों में एयरपोर्ट बनाने के लिए सर्वे भी किया जाएगा।

अगले साल 15 नए रेलवे ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज भी बनाए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार 30 हजार युवाओं को 10 लाख तक का ब्याज मुक्त लोन देगी। झींगा किसानों को सस्ती बिजली भी दी जाएगी। इसके अलावा सरकार ने दूसरे राज्यों से गाड़ी खरीदने पर टैक्स में छूट का भी ऐलान किया है। शहरी क्षेत्रों में कानून व्यवस्था सुधारने के लिए होमगार्ड के 5 हजार पद भी बढ़ाए गए हैं।

दिल्ली में पुरुषों में कैंसर की दर सर्वाधिक: अध्ययन

नई दिल्ली, एजेंसी। कैंसर के मामलों में वृद्धि के मामले में दिल्ली देश के अन्य महानगरों से तेजी से आगे निकल रही है। खासतौर पर पुरुषों में कैंसर की दर अब सभी मेट्रो शहरों में सबसे अधिक पाई गई है। एक अध्ययन ने दिल्ली को लेकर यह बेहद चिंताजनक तस्वीर पेश की है।

अध्ययन में 2015 से 2019 के बीच देशभर में कैंसर के मामलों और उससे होने वाली मौतों का आकलन किया गया। इसके लिए 43 कैंसर रजिस्ट्रियों के आंकड़े लिए गए, जो भारत की लगभग 18 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस अवधि में करीब 7.8 लाख नए कैंसर मरीज सामने आए, जबकि 2.6 लाख लोगों की मौत इस बीमारी से हुई। अध्ययन में यह भी सामने आया कि भारत में हर दस में से एक व्यक्ति को जीवनकाल में कभी न कभी कैंसर होने का खतरा है। मिजोरम जैसे राज्यों में यह जोखिम पुरुषों के लिए 21 प्रतिशत से भी अधिक पाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में कैंसर की स्थिति सबसे अधिक गंभीर है। यहां प्रति एक लाख पुरुषों पर लगभग 147 कैंसर मरीज दर्ज किए गए, जो अन्य महानगरों की तुलना में कहीं ज्यादा है। दिल्ली सीके बिड़ला हॉस्पिटल के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. मनदीप सिंह मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि यह वृद्धि केवल बेहतर रिकॉर्डिंग का परिणाम नहीं है, बल्कि वास्तव में कैंसर के मामलों में तेजी आ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, कैंसर बढ़ने के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। राजधानी की जहरीली हवा, खासकर पीएम2.5 जैसे कण, फेफड़ों के कैंसर का बड़ा कारण बन रहे हैं। तंबाकू और धूम्रपान मुंह और फेफड़ों के कैंसर के प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा अनियमित जीवनशैली, मोटापा, जंक फूड और शारीरिक गतिविधि की कमी भी जोखिम को बढ़ा रही है। पर्यावरणीय प्रदूषण और भारी धातुओं के संपर्क में रहना भी एक बड़ा कारक माना जा रहा है। दिल्ली के पुरुषों में फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर सबसे आम पाए जा रहे हैं। वहीं चिंताजनक बात यह है कि कैंसर अब युवाओं में भी तेजी से बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं में कैंसर अक्सर देर से पकड़ा जाता है, जिससे उपचार और कठिन हो जाता है। कम उम्र से प्रदूषण, अनियमित खान-पान और फास्ट फूड की आदतें कैंसर के जोखिम को और बढ़ा रही हैं।

दोस्ती से नाराज पत्नी के दोस्त की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार, डंडे से पीट-पीट कर मार डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। गोकलपुरी इलाके में अपनी पत्नी के दोस्त रवि की हत्या कर भागे आरोपी को पुलिस ने सोमवार देर शाम यूपी के बलिया से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान 42 साल के गौरी शंकर यादव के रूप में हुई है। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पत्नी के साथ रवि की दोस्ती को लेकर वह नाराज था। इसी बात को लेकर उसने रवि की डंडे से पीट-पीट कर हत्या कर दी।

पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि रविवार सुबह गोकलपुरी पुलिस को डी ब्लॉक गोकलपुरी स्थित एक मकान की छत पर एक युवक के खून से लथपथ पड़े होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को तुरंत पास के जीटीबी अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 28 साल के रवि के रूप में हुई। पुलिस को मौके पर 32 साल की महिला मिली। जिसने पूछताछ में बताया कि उसके पति ने रवि की हत्या की है। रवि उसका दोस्त था। उसने बताया कि उसके दो बच्चे हैं। उसका पति कोई काम नहीं करता है। वह गुजरात कमाने के लिए गया था। लेकिन शुक्रवार को वापस लौट आया। उसे नहीं पता था कि इस दौरान रवि उसके साथ रहता है। इस बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। रात में सोने के दौरान आरोपी गौरी शंकर ने रवि की सिर पर डंडे से वारकर हत्या कर दी। बाद में आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला तो आरोपी भागता हुआ दिखाई दिया। उसके आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। अब पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

गाजियाबाद ट्रिपल सुसाइड में पुलिस के हाथ लगा बहनों का फोन, पिता ने 10 दिन पहले बेचा था

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में नौ मंजिला अपार्टमेंट से कूदकर आत्महत्या करने वाली तीन नाबालिग बहनों के मामले में पुलिस के सामने लगातार नए रहस्य सामने आ रहे हैं। जांच कर रही पुलिस टीम के हाथ अब उन बहनों का मोबाइल फोन लगा है। पुलिस के मुताबिक, बहनें कम से कम 20 घंटे रोजाना मोबाइल पर कोरियन गेम्स खेला करती थीं। इस फोन को पुलिस टीम ने एक मोबाइल शॉप से बरामद किया है। घटना के 10 दिन पहले बच्चियों के पिता चेतन ने फोन को बेच दिया था। पुलिस ने बताया कि बरामद फोन फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, यह फोन लड़कियों की मौत का एक अहम कारण माना जा रहा है। 11, 14 और 16 साल की तीनों बहनें कोरियाई संस्कृति में गहरी रुचि रखती थीं और अपने परिवार से खुद को अलग-थलग महसूस कर रही थीं। इन लड़कियों ने कई सालों से स्कूल जाना भी छोड़ दिया था। स्कूल ड्रॉप के पीछे की वजहों में मुख्य रूप से घर की खराब आर्थिक स्थिति और क्लास में फेल होना बताया गया है।

पिता ने 10 दिन पहले बेचा था फोन : पुलिस ने यह भी बताया कि लड़कियों के पिता ने 4 फरवरी की घटना से कुछ दिन पहले बच्चियों का स्मार्टफोन बेच दिया था और उनका सोशल मीडिया अकाउंट, जिसमें करीब 2,000 फॉलोअर्स थे, डिलीट कर दिया था। एसपी-शालीमार गार्डन सर्किल के सहायक पुलिस आयुक्त अतुल कुमार सिंह ने बताया, दो मोबाइल में से एक मोबाइल शालीमार गार्डन के एक मोबाइल शॉप मालिक को बेच दिया गया था, जिसे पुलिस ने ट्रेस कर बरामद कर लिया है। उन्होंने कहा कि यह मोबाइल लगभग 10 दिन पहले पिता द्वारा जब्त किया गया था, ताकि लड़कियों को सीधे ऑनलाइन कंटेंट तक पहुंच न मिले।

अरुण और अब्दुल की राम मंदिर पर चल रही थी बहस

नई दिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद की नीमका जेल में बंद संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान की सहबंदी अरुण चौधरी ने पत्थर मारकर हत्या कर दी। जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच पिछले कई दिनों से राम मंदिर को लेकर बहस चल रही थी। मामले की जांच डीएलएफ क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई है और न्यायिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में शव का पोस्टमार्टम किया गया है।

सुरक्षाकर्मियों के बयान किए गए दर्ज : जिला जेल नीमका में बंद संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या के मामले की जांच शुरू हो गई है। पहले दिन पुलिस ने जेल के सुरक्षाकर्मियों के बयान दर्ज किए और जांच समिति ने साक्ष्य भी जुटाए। साथ ही मामले की जांच डीएलएफ क्राइम ब्रांच फरीदाबाद को सौंप दी गई है। इसके अलावा अब्दुल रहमान के शव का पोस्टमार्टम ईएसआईसी अस्पताल में किया गया। उसके बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

हमले में इस्तेमाल हुआ पत्थर बरामद : एसीपी अशोक कुमार ने बताया कि प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमआईसी) संचिता सिंह की मौजूदगी में पुलिस प्रशासन ने जेल परिसर में घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मौके से हमला करने में प्रयुक्त पत्थर और वह कपड़ा बरामद किया गया, जिसमें पत्थर बांधकर वार किए जाने की बात सामने आई। बरामद वस्तुओं को पुलिस ने कब्जे में लेकर आगे की फॉरेंसिक जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके अलावा, घटना के समय जेल में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान भी कलमबंद किए गए हैं। जांच एजेंसियां इस पहलू की भी पड़ताल कर रही हैं कि उच्च सुरक्षा वाली जेल में हमले के लिए इस्तेमाल किया गया सामान आरोपी तक कैसे पहुंचा। एसीपी अशोक कुमार ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच करेगी और सभी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

जेल में आतंकी की हत्या पर नया खुलासा

गौरतलब है कि अब्दुल रहमान की रविवार देर रात सहबंदी द्वारा हमले के बाद मौत हो गई थी। अब्दुल रहमान को पिछले वर्ष मार्च में गांव पाली के खेत में बने एक कमरे से उसको गिरफ्तार किया था। उससे दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए थे और उन पर राम मंदिर पर हमला करने की साजिश रचने का आरोप था।

अरुण और अब्दुल की हुई थी बहस : अयोध्या मंदिर पर हमले की साजिश के आरोप में गिरफ्तार बंदी संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान की जिला जेल में हुई हत्या के मामले में नया खुलासा सामने आया है। जेल सूत्रों के अनुसार, पिछले कई दिनों से सहबंदी अरुण चौधरी और अब्दुल रहमान के बीच राम मंदिर को लेकर बहस चल रही थी। बताया जा रहा है कि इसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

पिता बोले, बेटा बेगुनाह था : जिला जेल में बंद संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान की मौत के बाद उसका परिवार गहरे सदमे में है। इकलौते बेटे को खोने का दर्द पिता अबू बकर की आंखों में साफ झलक रहा था। उन्होंने कहा, हमने शुरू से कहा था, अगर मेरा बेटा दोषी है तो कानून उसे सजा दे, लेकिन अगर बेगुनाह है तो उसे सजा नहीं मिलनी चाहिए। अब्दुल रहमान अपने माता-पिता का इकलौता बेटा और तीन बहनों का अकेला भाई था। परिवार के अनुसार, उसकी बड़ी बहन आसमा की उम्र 16 वर्ष, दूसरी बहन अल्फिया 13 वर्ष और सबसे छोटी बहन अल्फिशा मात्र 6 वर्ष की है। भाई की मौत से तीनों बहनों का सहारा छिन गया है। परिजनों ने बताया कि गिरफ्तारी से पहले अब्दुल रहमान रिक्शा चलाकर परिवार का हाथ बंटाता था। उसके पिता अबू बकर भी रिक्शा चलाते हैं और साथ ही मीट की छोटी दुकान चलाकर किसी तरह परिवार का गुजारा करते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर यह परिवार अब बेटे की मौत के बाद और अधिक असहाय महसूस कर रहा है। पिता का कहना है कि उन्हें न्याय व्यवस्था पर भरोसा है, लेकिन बेटे की इस तरह मौत ने उनके विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। उन्होंने निष्पक्ष जांच और सच्चाई सामने आने की मांग की है।

हाईकोर्ट से जमानत की उम्मीद थी- पिता : जिला जेल में बंद संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या के बाद उसके परिवार ने कई भावुक और गंभीर बातें सामने रखी हैं। मृतक के पिता अबू बकर ने दावा किया कि उनके बेटे को हाईकोर्ट से जल्द जमानत मिलने की उम्मीद थी। उन्होंने बताया कि उनके वकील सुरजीत के अनुसार जमानत पर सकारात्मक सुनवाई की संभावना थी और राहत मिलने की उम्मीद जताई गई थी, लेकिन उससे पहले ही उसकी हत्या कर दी गई।

राम मंदिर को लेकर विवाद की आशंका : अयोध्या मंदिर पर हमले की साजिश के आरोप में गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान की जेल में हुई हत्या के मामले में मंगलवार को ईएसआई मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, फरीदाबाद में उसका पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम तीन सदस्यीय फॉरेंसिक मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट संचिता सिंह की निगरानी में किया गया। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। मंगलवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाया गया।

दिल्ली में संपत्ति के फ्रीहोल्ड की ऑनलाइन प्रक्रिया बंद, लोग परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में फ्लैट, प्लॉट या अन्य संपत्तियों को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड नागरिक नहीं करवा पा रहे हैं। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की अभी ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी तरीके से बंद है। दिल्ली के प्रॉपर्टी डीलरों के अनुसार फ्रीहोल्ड की ऑनलाइन प्रक्रिया बंद होने से दिल्ली के विभिन्न नागरिक परेशान हो रहे हैं। दिल्ली के एक प्रॉपर्टी डीलर ने बताया कि हर दिन काफी लोग ऑनलाइन आवेदन कर रहे हैं तब उन्हें जानकारी मिल रही है कि यह प्रक्रिया पूरी तरीके से बंद है। यह प्रक्रिया डेढ़ से दो महीने से बंद पड़ी है।

बढ़ सकता है कन्वर्जन जार्ज: दिल्ली के प्रॉपर्टी डीलरों ने संभावना जताई है कि डीडीए प्रशासन लीजहोल्ड संपत्तियों को फ्रीहोल्ड संपत्तियों में परिवर्तन करने के लिए कन्वर्जन चार्ज को बढ़ा सकता है। यदि किसी संपत्ति का कन्वर्जन चार्ज अभी 88,700 रुपये है। तब वह दो से तीन गुना तक हो सकता है।

यह है कारण : प्रॉपर्टी डीलरों ने फ्रीहोल्ड प्रक्रिया के बंद होने के पीछे कारण बताया है कि दिल्ली सरकार की तरफ से राजधानी में सर्कल रेट को बढ़ाने का फैसला लिया गया था। हालांकि, इस फैसले के संबंध में कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है। डीडीए द्वारा दिल्ली सरकार के नए सर्कल रेट को अपनाने का निर्णय लिया है। इन कारणों से डीडीए ने फ्रीहोल्ड की ऑनलाइन प्रक्रिया को बंद कर दिया है।

मंत्रालय के साथ बैठक कर उचित फैसला लेंगे : इस संबंध में डीडीए अधिकारियों ने बताया कि हमारी कोशिश है कि नागरिकों को एक समान संपत्ति को फ्रीहोल्ड कराने के लिए कन्वर्जन चार्ज का भुगतान करने की सुविधा प्रदान हो। इस मामले को लेकर आगामी दिनों में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। जिसमें कोई निर्णय लिया जा सकता है।

फ्रीहोल्ड कराना है महत्वपूर्ण : प्रॉपर्टी डीलर ने बताया कि संपत्ति को फ्रीहोल्ड कराना महत्वपूर्ण है। संपत्ति के फ्रीहोल्ड कराने के बिना संपत्ति बेचना व उस पर बैंक से लोन लेना कठिन हो जाता है। इसके अतिरिक्त निर्धारित समय अवधि पर संपत्ति को फ्रीहोल्ड कराने के लिए कन्वर्जन शुल्क न कराने पर हर साल पेनल्टी भी बढ़ती है। अब इन सब कारणों से कन्वर्जन चार्ज बढ़ने की आशंका से लोग अपनी ही संपत्ति को लेकर उलझन में हैं।

गोवा में बीच पर विदेशी महिला पर्यटकों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ीं, रिपोर्ट में सामने आए आंकड़े

गोवा, एजेंसी। गोवा की लोकप्रिय समुद्री तटों पर पिछले हफ्ते महिला पर्यटकों के साथ छेड़छाड़ की कई शर्मनाक घटनाएं सामने आई हैं। खासकर रूसी महिला पर्यटकों को निशाना बनाया गया। बीच सेफ्टी एजेंसी ड्रिश्टि मरीन ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि पिछले एक हफ्ते में ऐसी चार घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें से ज्यादातर मामलों में बीच मार्शल और लाइफसेवरों की त्वरित कार्रवाई कर स्थिति को बिगड़ने से बचाया। वहीं बागा बीच पर भी रूसी महिलाओं को परेशान करने की कोशिश हुई, लेकिन बीच मार्शल और लाइफसेवर ने तुरंत हस्तक्षेप किया।

बांग्लादेश में संसदीय चुनाव 43 हजार मतदान केंद्रों में आधे से ज्यादा संवेदनशील घोषित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए आधे से अधिक मतदान केंद्रों को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि इनमें से 90 प्रतिशत मतदान केंद्र सीसीटीवी निगरानी में होंगे और राजधानी ढाका में बॉडी कैमरे लगाए कई पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग की सुरक्षा प्रणाली जोखिम मूल्यांकन पर आधारित है। निर्वाचन आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने मंगलवार देर रात संवाददाता सम्मेलन में कहा, स्थानीय स्तर पर संवेदनशीलता के आकलन के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि इन चुनाव में देश के चुनावी इतिहास में कानून प्रवर्तन कर्मियों की अब तक की सबसे बड़ी तैनाती और प्रौद्योगिकी का सबसे व्यापक उपयोग देखने को मिलेगा। सनाउल्लाह ने कहा कि निर्वाचन आयोग को उम्मीद है कि कानून प्रवर्तन एजेंसी मतदान के दौरान और चुनाव के बाद मतदाताओं के लिए शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करेंगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति से काफी हद तक संतुष्ट है और पहले की तुलना में हम अब बेहतर स्थिति में हैं। उनकी यह टिप्पणी पुलिस महानिरीक्षक बहारुल आलम के उस बयान के कुछ देर बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश भर में लगभग 43,000 मतदान केंद्रों में से 24,000 मतदान केंद्र उच्च या मध्यम जोखिम वाले मतदान केंद्र पाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि उन्होंने निर्वाचन आयोग को संवेदनशील मतदान केंद्रों की सूची सौंपी है, जिससे पता चलता है कि ढाका के 2,131 मतदान केंद्रों में से 1,614 जोखिम वाले हैं।

हालांकि, सेना ने इससे पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उन्होंने ढाका शहर में दो केंद्रों को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया है। बांग्लादेश में एक जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ-साथ आम चुनाव हो रहे हैं। मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच है। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को पिछले साल भंग कर दिया था।

अमेरिका में पुनर्वास की आस टूटी20 हजार अफगान शरणार्थियों को निकालेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार अमेरिका में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे करीब 20,000 अफगान शरणार्थियों को देश से निर्वासित (डिपोर्ट) करने की तैयारी कर रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस संबंध में केंद्र सरकार जल्द ही प्रांतीय प्रशासन और पुलिस को औपचारिक निर्देश जारी करेगी।अफगानिस्तान की प्रमुख समाचार एजेंसी खामा प्रेस ने पाकिस्तान के अखबार द नेशन के हवाले से बताया कि इस्लामाबाद, बलूचिस्तान, पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा, पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान में प्रशासन को अफगान शरणार्थियों की वापसी की प्रक्रिया में सहयोग करने को कहा जाएगा। इनमें से अधिकांश शरणार्थी 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान छोड़कर पाकिस्तान पहुंचे थे और पिछले तीन वर्षों से अमेरिका या अन्य देशों में पुनर्वास की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, हाल के महीनों में पाकिस्तान ने अमेरिका की प्रतिबद्धता पर संदेह जताते हुए कुछ ऐसे शरणार्थियों को भी वापस भेज दिया, जिनके नाम अमेरिकी पुनर्वास सूची में शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर में वाशिंगटन के पास एक गोलीबारी की घटना के बाद अमेरिका ने अफगान शरणार्थियों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। इस घटना में एक अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लखनवाल द्वारा दो अमेरिकी नेशनल गार्ड जवानों को गोली मारे जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगान पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा जारी करना अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया और लंबित मामलों की समीक्षा के आदेश दिए। इस फैसले के बाद पाकिस्तान में रह रहे हजारों अफगान शरणार्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। बीते महीने कई अफगान शरणार्थियों ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान सरकार से अपील की थी कि उन्हें सम्मानजनक और चरणबद्ध तरीके से लौटने के लिए समय दिया जाए। अफगान शरणार्थी हाजी नज़र ने पाकिस्तानी सरकार से तीन महीने का समय देने की मांग करते हुए कहा, अचानक की जा रही कार्रवाई से हमें गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अपने कारोबार और पारिवारिक मामलों को समेटने के लिए समय चाहिए।

अल्लाह-हू-अकबर का नारा लगाया और बच्चों पर चाकू से किया हमला

लंदन, एजेंसी। लंदन के उत्तर-पश्चिम इलाके में एक स्कूल के अंदर हुई खौफनाक वारदात ने पूरे ब्रिटेन को हिला कर रख दिया है। किंग्सबरी हाई स्कूल में मंगलवार दोपहर को एक 13 साल के लड़के ने दो अन्य छात्रों पर चाकू से हमला कर दिया। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी ने हमला करने से पहले अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगाए थे। इसके बाद दोनों घायल बच्चे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाए गए। पुलिस ने संदिग्ध किशोर को कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया, लेकिन जांच अब काउंटर-टेररिज्म यूनिट के हाथ में है। यह हमला दोपहर करीब 12:40 बजे हुआ। शुरुआत में पुलिस को एक 13 साल के लड़के के चाकू लगने की सूचना मिली, लेकिन मौके पर पहुंचकर पता चला कि 12 साल का एक और बच्चा भी घायल है। दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि हमलावर की उम्र करीब 13 साल है। वह घटनास्थल से भाग गया था। लेकिन तलाशी अभियान के बाद उसे कुछ घंटों में ही गिरफ्तार कर लिया गया। संदिग्ध को हत्या के प्रयास के आरोप में हिरासत में रखा गया है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस ने हमले में इस्तेमाल होने वाला हथियार भी बरामद कर लिया है। डिटेक्टिव चीफ सुपरिंटेंडेंट ल्यूक विलियम्स ने मौके पर पत्रकारों से कहा कि कोई और संदिग्ध नहीं तलाशा जा रहा है और पुलिस अब किसी अन्य व्यक्ति की तलाश में नहीं है।

काउंटर-टेररिज्म यूनिट क्यों कर रही है जांच: हालांकि पुलिस ने इस घटना को अभी तक आतंकी हमला घोषित नहीं किया है, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए जांच की कमान काउंटर-टेररिज्म पुलिस को सौंपी गई है। वे स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। डिटेक्टिव विलियम्स ने कहा कि मकसद को लेकर पुलिस सभी संभावनाओं पर खुला विचार रख रही है। स्कूल में छात्रों से लंबे समय तक पूछताछ जारी रही और शाम तक कई बच्चे अभी भी पुलिस के साथ बात कर रहे थे।

ब्रिटेन सरकार ने क्या कहा है: किंग्सबरी हाई स्कूल के हेडटीचर एलेक्स थॉमस ने अभिभावकों को पत्र लिखकर घटना को गहरा सदमा देने वाली बताया। स्कूल में लगभग 2,000 छात्र हैं, जो 11 से 18 साल के बीच के हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है, लेकिन बुधवार को स्कूल के कुछ हिस्से बंद रहेंगे।

नेपाल -भारत के बीच सुरक्षा सहयोग पर विशेषज्ञों ने किया विमर्श

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-भारत सुरक्षा सहयोग पर दोनों देशों के थिंक टैंक के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों के बीच चर्चा हुई है। नेपाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एंड एंगेजमेंट के मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में दोनों देशों के प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। भारतीय सेना के सबसे पुराने थिंक टैंक यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के महानिदेशक संजय जसजित सिंह ने कहा, 'भारतीय सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा की अग्रिम पंक्ति में नेपाली साहस और वीरता हमेशा से रही है। '

नगर निगम रीवा का विशेष वसूली अभियान तेज, वार्डवार शिविरों में कर जमा करने की सुविधा

50 प्रतिशत संपत्तिकर छूट का लाभ उठाने की अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वित्तीय वर्ष की समाप्ति को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम रीवा द्वारा राजस्व वसूली अभियान को गति दी गई है निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार संपत्तिकर, जलकर, अवैध कॉलोनी शुल्क एवं अन्य बकाया करों की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 9 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक वार्डवार विशेष वसूली शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों का समय प्रतिदिन प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक निर्धारित किया गया है इसी क्रम में 11 फरवरी को वार्ड क्रमांक 5 के लिए राजपूत गन सर्विस के सामने गंगा स्वीट्स के पास विशेष शिविर आयोजित किया गया शिविर में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बकाया करों का भुगतान किया कॉलोनी वैधीकरण प्रक्रिया के अंतर्गत 57,750 रुपये, संपत्तिकर बकाया मद में 61,968 रुपये तथा जलकर बकाया मद में 1,38,462 रुपये की राशि जमा कराई गई नगर निगम प्रशासन के अनुसार 12 फरवरी को वार्ड क्रमांक 6 एवं 18 के लिए पुराना बस स्टैण्ड परिसर में विशेष वसूली शिविर आयोजित किया जाएगा इसी प्रकार आगामी दिनों में सभी वार्डों में क्रमवार शिविर लगाए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक नागरिकों को सुविधा मिल सके नगर निगम द्वारा इस वित्तीय वर्ष में आवासीय मकानों पर संपत्तिकर में 50 प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है अधिकारियों ने बताया कि यह छूट सीमित अवधि के लिए लागू है अतः नागरिक समय रहते अपने बकाया करों का भुगतान कर इस लाभ का लाभ उठाएं इन विशेष शिविरों के माध्यम से आमजनता को अपने क्षेत्र में ही सरल और सुगम तरीके से कर जमा करने की सुविधा उपलब्ध हो रही है नागरिकों को लंबी कतारों और कार्यालयों के चक्कर से राहत मिल रही है।

एनसीएल श्रमिकों का लेबर कोड पर विरोध :12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल से पहले मशाल जुलूस, बाइक रैली

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बुधवार देर शाम ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मोर्चा के बैनर तले श्रमिकों ने मशाल जुलूस और बाइक रैली निकालकर सरकार की श्रम नीतियों के खिलाफ एकजुटता दिखाई मशाल जुलूस गोल मार्केट से शुरू होकर मस्जिद मार्केट, सेक्टर-ए दुधीचुआ महाप्रबंधक कार्यालय और सीडब्ल्यूएस कॉलोनी तिराहा होते हुए सेक्टर-बी स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर समाप्त हुआ इस दौरान श्रमिकों ने हाथों में मशाल और झंडे लेकर नारेबाजी की बाइक रैली ने विरोध का संदेश पूरे क्षेत्र में फैलाया बड़ी संख्या में श्रमिकों ने लिया हिस्सा इस प्रदर्शन में सिंगरौली जिले के जयंत, दुधीचुआ और सीडब्ल्यूएस क्षेत्रों से सैकड़ों श्रमिक शामिल हुए कार्यक्रम का नेतृत्व आरसीएसएस (इंटक) के महामंत्री लाल पुष्पराज सिंह ने किया उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि चारों लेबर कोड मजदूरों के मौलिक अधिकारों को कमजोर करते हैं सिंह ने रोजगार की सुरक्षा में कमी और बढ़ती महंगाई से श्रमिक वर्ग की समस्याओं का उल्लेख किया कार्रवाई न होने पर बड़े स्तर पर आंदोलन की चेतावनी दी है कार्रवाई न होने पर बड़े स्तर पर आंदोलन की चेतावनी दी है हड़ताल और धरना प्रदर्शन की चेतावनी लाल पुष्पराज सिंह ने घोषणा की कि 12 फरवरी को सिंगरौली जिले में राष्ट्रव्यापी हड़ताल के साथ विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा उन्होंने चेतावनी दी कि अगर श्रमिकों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ग्राम माटा में वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित केवाईसी व सुरक्षित बैंकिंग पर दिया गया जोर

विीय साक्षरता सप्ताह के तहत ग्रामीणों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रायोजित वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2026 के अंतर्गत जिले में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं 9 से 13 फरवरी तक आयोजित हो रहे इस सप्ताह की थीम 'केवाईसी - सुरक्षित बैंकिंग की ओर पहला कदम' निर्धारित की गई है इसी क्रम में अग्रणी जिला प्रबंधक अवध बिहारी चौधरी द्वारा विकासखंड सीधी की ग्राम पंचायत माटा में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया शिविर में ग्रामवासियों को वित्तीय साक्षरता के प्रमुख पहलुओं की जानकारी दी गई बचत, बीमा, निवेश, पेंशन, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण, केवाईसी की अनिवार्यता, डिजिटल बैंकिंग के लाभ, साइबर फ्रॉड से बचाव तथा साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई ग्रामीणों को बताया गया कि बैंकिंग सेवाओं का सुरक्षित उपयोग करने के लिए केवाईसी अपडेट रखना अत्यंत आवश्यक है कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों की बैंकिंग संबंधी समस्याओं को सुनकर उनका मौके पर ही निराकरण किया गया साथ ही संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित आवेदन भी प्राप्त किए गए वित्तीय साक्षरता परामर्शदाता अश्वनी जायसवाल ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) एवं अटल पेंशन योजना (एपीवाई) सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ और पात्रता के बारे में ग्रामीणों को अवगत कराया कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों से अपील की गई कि वे बैंकिंग सेवाओं का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध कॉल या संदेश से सावधान रहें।

बिजली तारों में फंसा लंगूर, करंट लगने से नीचे गिरा नगर निगम; वन विभाग और गौसेवा संस्था ने बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-43 में बुधवार को एक लंगूर बिजली के खुले तारों में फंसकर घायल हो गया करंट लगने से वह झुलस गया और नीचे गिर पड़ा घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम, वन विभाग और गौसेवा संस्था सिंगरौली की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर तत्काल बचाव अभियान शुरू किया प्रत्यक्षदर्शी अतुल ने बताया कि लंगूर बिजली के तारों के जाल में उलझ गया था जिससे उसे करंट लगा स्थानीय नागरिकों ने इसकी सूचना नगर निगम को दी, जिसके बाद वन विभाग और गौसेवा संस्था को भी सूचित किया गया बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद घायल लंगूर को सुरक्षित निकाला और प्राथमिक इलाज के लिए वन विभाग कार्यालय ले गया पशु चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच में बताया कि लंगूर को करंट लगने से सदमा लगा है उसे दर्द निवारक दवाएं, आवश्यक इंजेक्शन और तरल पदार्थ दिए गए हैं फिलहाल उसकी हालत स्थिर है और वन विभाग की निगरानी में उसका इलाज जारी है गौसेवा संस्था के अभिषेक पांडेय ने जानकारी दी कि जिले में घायल और बेसहारा पशुओं के लिए आश्रय स्थल उपलब्ध है। हालांकि वर्तमान में वहां नवीनीकरण का कार्य चल रहा है जिसके कारण लंगूर को अस्थायी तौर पर वन विभाग कार्यालय में रखा गया है संस्था और वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी घायल पशु या वन्यजीव दिखाई दे, तो तुरंत संबंधित विभाग या संस्था को सूचित करें ताकि उनकी जान बचाई जा सके।

रेलवे कार्य के दौरान ओवरलोडिंग पर विवाद, गोपालपुर में जमकर चले लाठी-डंडे दो घायल; मारपीट के वीडियो की जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के गोपालपुर में रेलवे निर्माण कार्य के दौरान भारी वाहनों की ओवरलोडिंग को लेकर विवाद में मारपीट हुई। मंगलवार शाम करीब 4 बजे हुए इस विवाद का एक वीडियो बुधवार को सामने आया जिसमें ग्रामीणों और संबंधित पक्ष के बीच बहस और मारपीट होती नजर आ रही है स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, रेलवे कार्य में लगे ठेकेदार द्वारा मिट्टी परिवहन के लिए भारी वाहनों का उपयोग किया जा रहा था ग्रामीणों का आरोप है कि वाहनों में क्षमता से अधिक लोडिंग (ओवरलोडिंग) की जा रही थी, जिससे न केवल गांव की नई बनी सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही थीं, बल्कि हर समय दुर्घटना का खतरा भी बना रहता था ग्राम पंचायत ने पूर्व में भी इस पर आपत्ति जताई थी, लेकिन सुधार न होने पर मंगलवार को ग्रामीणों ने अपना विरोध दर्ज कराया, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गया बीच-बचाव करने आए लोग भी घायल बताया जा रहा है कि आपत्ति जताने के दौरान संजीव दुबे और अन्य पक्षों के बीच झड़प शुरू हो गई देखते ही देखते राजकुमार मिश्रा, राजेंद्र मिश्रा, पुनीत मिश्रा और उनके साथियों के साथ जमकर मारपीट हुई इस संघर्ष में संजीव दुबे को गंभीर चोटें आईं, वहीं उन्हें बचाने पहुंचे संजय दुबे भी घायल हो गए दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया घटना के बाद से ही गांव में तनावपूर्ण माहौल है और ग्रामीणों ने प्रशासन से रेलवे निर्माण में लगे भारी वाहनों पर नकेल कसने की मांग की है घटना का वीडियो सामने आने के बाद रामपुर नैकिन पुलिस सक्रिय हो गई है थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को संज्ञान में लिया गया है और पूरे प्रकरण की बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

बोर्ड परीक्षा में 2 शिक्षकों ने मोबाइल से फोटो खींचे, नकल कराने की कोशिश का अंदेशा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। खनौधी स्थित सरकारी स्कूल में 12वीं बोर्ड की परीक्षा के दौरान अंग्रेजी के पेपर के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने और फोटो खींचने के आरोप में दो शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया गया है यह मामला 10 फरवरी का है, जब सुबह की शिफ्ट में परीक्षा चल रही थी शिक्षक सत्येंद्र सिंह और अंग्रेजी के टीचर शुयस सुंदरम श्रीवास्तव पर आरोप है कि वे परीक्षा हॉल के भीतर मोबाइल फोन चला रहे थे और फोटो खींच रहे थे स्थानीय लोगों की शिकायत पर प्रशासन ने जांच शुरू की नकल की कोशिश का शक शुरुआती जांच में यह बात सामने आई कि दोनों शिक्षक परीक्षा के दौरान बाहरी लोगों के संपर्क में थे जिससे नकल कराने की कोशिश का अंदेशा जताया जा रहा है हालांकि, प्रशासन का कहना है कि अभी नकल की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन बोर्ड एग्जाम में मोबाइल ले जाना ही नियमों का उल्लंघन है।

सीएम काफिले में झंडा दिखाने का मामला गरमाया, दो कांग्रेसी रिहा, कल नाबालिग छात्र की परीक्षा छूटी; बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। मुख्यमंत्री के काफिले को काला झंडा दिखाने के मामले में पुलिस कार्रवाई पर विवाद गहरा होते जा रहा है इस प्रकरण में गिरफ्तार किए गए नाबालिग छात्र की 12वीं बोर्ड की अंग्रेजी की परीक्षा छूट गई हालांकि, छात्र को मंगलवार सुबह बुढ़ार उप जेल से रिहा किया गया, लेकिन तब तक परीक्षा केंद्र पहुंचने का समय निकल चुका था पुलिस ने नाबालिग छात्र को धारा 151 के तहत गिरफ्तार कर बुढ़ार उप जेल भेजा था परिजनों का आरोप है कि उन्होंने सोमवार को तहसीलदार से कई बार गुहार लगाई थी कि छात्र की मंगलवार को बोर्ड परीक्षा है इसके बावजूद उसे जमानत नहीं दी गई मंगलवार सुबह छात्र को बिना परिजनों को सूचना दिए जेल से छोड़ा गया जिससे वह समय पर परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सका मंगलवार को नाबालिग छात्र को छोड़ा गया, इस मामले में पुलिस ने कुल 40 कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की थी जिनमें से 37 को पहले ही जमानत मिल चुकी थी बुधवार सुबह आशू चौधरी और शेख साजिद उर्फ सन्नी को भी बुढ़ार उप जेल से रिहा कर दिया गया इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष आज़ाद बहादुर सिंह, प्रदीप सिंह, सूफियान खान, अभिषेक शुक्ला सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता जेल पहुंचे कांग्रेस ने विरोध में बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दी कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि निर्दोष कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया गया और राजनीतिक द्वेष के तहत उन्हें जेल भेजा गया इसी के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को धरना देकर ज्ञापन सौंपा था कांग्रेस ने घोषणा की है कि शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पहुंचेंगे और कलेक्ट्रेट का घेराव कर लाठीचार्ज व गिरफ्तारी के विरोध में बड़ा आंदोलन करेंगे।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए पंजीयन शुरू, 7 मार्च तक अवसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है जिले में गेहूं उपार्जन हेतु किसानों का पंजीयन 7 फरवरी 2026 से शुरू हो चुका है, जो 7 मार्च 2026 तक किया जाएगा जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि में अनिवार्य रूप से अपना पंजीयन कराएं, क्योंकि केवल पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की जाएगी किसान एमपी किसान ऐप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिले में प्रस्तावित सभी खरीदी केंद्रों पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है पंजीयन की निःशुल्क सुविधा स्वयं के मोबाइल या कम्प्यूटर के माध्यम से खरीदी केंद्रों पर तथा ग्राम पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्रों पर उपलब्ध है। इसके अलावा एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र एवं साइबर कैफे में 50 रुपये निर्धारित शुल्क देकर भी पंजीयन कराया जा सकता है पंजीयन के दौरान किसान को आधार संख्या से लिंक बैंक खाते का विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा, ताकि उपार्जन की राशि का भुगतान सीधे ऑनलाइन खाते में किया जा सके।

प्राकृतिक खेती, गो संरक्षण को बढ़ावा देगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की थी शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में 12 से 14 फरवरी तक गौ कथा का आयोजन होगा प्रसिद्ध संत मलूक पीठाधीश्वर राजेन्द्र दास जी गौ संरक्षण और गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर कथा करेंगे कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी संत आज शाम रीवा पहुंच गए हैं इस अभियान की शुरुआत रीवा में 2 माह पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की थी डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा है शुक्ल ने कहा कि कथा से गौ संरक्षण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने खो-खो और कुर्सी दौड़ में लिया उत्साहपूर्ण भाग

पंख अभियान की शुरुआत, ग्राम पोड़ी और बकवा में खेलकूद कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में महिलाओं के सशक्तिकरण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पंख अभियान के तहत विकासखंड के ग्राम पोड़ी एवं बकवा में खेलकूद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी तथा जिला परियोजना प्रबंधक ग्रामीण आजीविका मिशन पुष्पेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में यह आयोजन संपन्न हुआ कार्यक्रम का उद्देश्य स्व-सहायता समूह की महिलाओं को शारीरिक गतिविधियों से जोड़ते हुए उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना था आयोजन के दौरान महिलाओं को नियमित व्यायाम, खेलकूद और सामूहिक गतिविधियों के महत्व से अवगत कराया गया बताया गया कि शारीरिक रूप से सक्रिय रहने से न केवल स्वास्थ्य बेहतर रहता है बल्कि मानसिक सशक्तिकरण और आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है इस अवसर पर महिलाओं के लिए पारंपरिक और मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया खो-खो और कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में सैकड़ों महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया प्रतिभागियों में उत्साह और उमंग देखने योग्य रही विजेताओं को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित भी किया गया कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच पंचवटी बैगा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया आयोजन को सफल बनाने में विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह, सहायक विकासखंड प्रबंधक भारत सोनी एवं संजीव सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही इसके साथ ही आईएफएससी एंकर शारदा केवट, माया सिंह, प्रेमवती कुशवाहा तथा ललित साकेत का विशेष सहयोग रहा पंख अभियान के तहत आगे भी विभिन्न ग्रामों में इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि स्व-सहायता समूह की महिलाओं को स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता और सामूहिक नेतृत्व की दिशा में प्रेरित किया जा सके।

झोपड़ी में लगी आग, दिव्यांग की जिंदा जलकर मौत; आग तापने के दौरान आग फैलने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी क्षेत्र के ग्राम रेही में मंगलवार देर रात दर्दनाक हादसा हो गया घास-फूस से बनी झोपड़ी में आग लगने से एक दिव्यांग व्यक्ति की जलकर मौत हो गई वह समय रहते बाहर नहीं निकल सका और आग की चपेट में आ गया मृतक की पहचान जगनारायण कोल (पिता सूरज कोल) के रूप में हुई है। बताया गया है कि जगनारायण दिव्यांग थे और चलने-फिरने में असमर्थ थे। वह अपने मुख्य मकान से कुछ दूरी पर बनी घास-फूस की झोपड़ी में रहते थे आग तापते समय हुआ हादसा जानकारी के अनुसार मंगलवार रात वह झोपड़ी के पास आग ताप रहे थे कुछ समय तक उनके पिता सूरज कोल भी वहीं मौजूद थे, लेकिन बाद में घर चले गए इसी दौरान अज्ञात कारणों से झोपड़ी में आग लग गई आग तेजी से फैल गई और दिव्यांग होने के कारण जगनारायण बाहर नहीं निकल सके जब तक आसपास के लोगों को घटना की जानकारी मिली, तब तक झोपड़ी पूरी तरह जल चुकी थी और जगनारायण की मौके पर ही मौत हो गई थी लोगों के पहुचंने से पहले झोपड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की एसडीओपी राहुल सैयाम ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग तापने के दौरान आग फैलने की आशंका है।

साइबर डकैती पर सख्ती

संपादकीय

देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर ठगी के मामलों पर शीर्ष अदालत का सख्त रुख वक्त की जरूरत है। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में 54 हजार करोड़ रुपये का डिजिटल फ्रॉड सीधे-सीधे डकैती है। साइबर ठगी खासकर डिजिटल अरेस्ट के जरिये उपभोक्ताओं का करोड़ों रुपये हड़पने के मामले में सुनवाई करते हुए अदालत ने जवाबदेह हितधारकों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने सीबीआई, बैंकों, आरबीआई की कोताही पर प्रश्न खड़े किए। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इन संस्थाओं ने लोगों के खून-पसीने की कमाई को बचाने के लिये समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाये हैं। कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामलों में कतिपय बैंक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट का कहना था कि यह कैसे संभव है कि बैंक अधिकारियों की नाक के नीचे साइबर ठग खाताधारकों का करोड़ों रुपया ठिकाने लगाने में कामयाब हो जाते हैं। कोर्ट ने आशंका जतायी कि इन साइबर ठगी में बैंक अधिकारियों की लापरवाही या मिलीभगत हो सकती है। साइबर ठगी को सीधी डकैती की संज्ञा देते हुए अदालत ने कहा कि इस ठगी पर रोक के लिये केंद्र सरकार स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर यानी एसओपी तैयार करे। इतना ही नहीं कोर्ट ने गृह मंत्रालय को निर्देश दिया कि आरबीआई, दूरसंचार विभाग और अन्य हितधारकों के लिये चार सप्ताह में एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया जाए। बैंकों की कारगुजारी पर नाराजगी जताते हुए कोर्ट ने कहा कि बैंकों को अहसास होना चाहिए कि वे जनता के पैसों के ट्रस्टी हैं। उन्हें जनता के भरोसे को नहीं तोड़ना चाहिए। कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई कि आखिर कैसे साइबर ठगी के लाखों केस सामने आ रहे हैं। अकसर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि डिजिटल अरेस्ट व अन्य धोखाधड़ी के मामलों में करोड़ों रुपये साइबर अपराधी दूसरे खातों में डाल रहे होते हैं तो बैंक समय पर कार्रवाई क्यों नहीं करते? जबकि बैंकों के पास डेबिट कार्ड को अस्थायी रूप से होल्ड करने का भी अधिकार है। इसमें दो राय नहीं कि बैंकों के पास ऐसा सिस्टम होना जरूरी है, जिसके जरिये निगरानी हो सके कि कैसे किसी के खाते से निकाली गई बड़ी धनराशि जल्दी-जल्दी दूसरे खातों में हस्तांतरित हो रही है। निश्चित तौर पर बैंकों के सुरक्षा सिस्टम को तत्काल ऐसे मामलों में संज्ञान लेना चाहिए। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को रिजर्व बैंक के बाबत टिप्पणी करनी पड़ी कि साइबर ठगी के जरिये जिन खातों से पैसा ठिकाने लगाया जाता है, उस पर संबंधित बैंकों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। यह सवाल तार्किक है कि अब तक संबंधित बैंक हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे रहे हैं? इसमें दो राय नहीं कि यदि बैंक,पुलिस और अन्य एजेंसियां समय रहते तत्काल कार्रवाई करें तो लोगों के खातों में डकैती से हुए नुकसान को कम किया जा सकता है।

जाति संगठन और सामाजिक परिवर्तन का द्वंद्व

डॉ. योगेन्द्र

गौतम बुद्ध ने कहा-' बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय।' उन्होंने ' सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' नहीं कहा। बुद्ध महाकरूणा के सागर थे, तब भी उन्होंने बहुजन के सुख की कामना की, सर्वजन की नहीं। सवाल है कि क्या बुद्ध के मन में संदेह था कि इस दुनिया के तमाम लोगों को सुखी नहीं किया जा सकता? सवाल यह भी है कि बहुजन के अलावे जो बच जाते हैं, वे अनिवार्य रूप से शोषक ही थे या इतने बिगड़े हुए थे कि उनमें बदलाव की संभावना ना के बराबर थी? उपनिषद में लिखा है -' वसुधैव कुटुंबकम।' वसुधा पर रहने वाले तमाम लोग कुटुंब हैं। उपनिषद में यह घोषणा इसलिए करनी पड़ी, क्योंकि उपनिषद - काल में भी वसुधा पर रहने वाले तमाम लोग कुटुंब नहीं थे। इतने वर्षों बाद भी दुनिया की बात तो छोड़िए, क्या भारतवर्ष में ही सभी कुटुंब हो सके? उपनिषद सर्वजन की बात करता है, लेकिन उपनिषद जिस समाज में विकसित हुआ, वह खंडों में बंटा है। खंडों में जी रहा मनुष्य अपने अपने खंड में चिपका हुआ है और उसे ही दुनिया मान बैठा है। आज देश में न बहुजन खुश है, न सर्वजन। मनुष्य की चालाकी या धूर्तता कहिए कि जिसने भी आधुनिक युग में बहुजन की एकता या उसकी खुशी चाही, उसे भी खंडों में बांट दिया।

आजादी के 78 वर्षों बाद जाति संगठन का उफान है। यों आजादी की लड़ाई के समय भी जाति संगठन थे, लेकिन उन संगठनों में जाति कल्याण की थोड़ी भावना थी। कोई शिक्षा संस्थान खोल रहा था तो कोई जाति के अंदर सामाजिक सुधार कर रहा था। तीन जातियों का गठजोड़ त्रिवेणी संघ भी बना। आजादी के बाद जाति संगठन बनाने की होड़ लग गई। भूमिहार, ब्राह्मण, राजपूत, कायस्थ, यादव, कुर्मी, कुशवाहा से लेकर एस सी में शामिल जातियों के भी संगठन बने। यहां तक कि उप जातियों के भी संगठन बनाये गये। संगठन बनाते हुए जाति नेताओं का दावा यह रहा कि उनकी जाति की उपेक्षा हुई है। राजनीति में वाजिब भागीदारी नहीं मिली है, इसलिए जाति गोलबंदी करनी चाहिए। ऐसे संगठनों का उद्देश्य सीमित था, इसलिए जिनके मन में जाति इस्तेमाल कर नेता बनने की इच्छा हुई, उसने जाति की सभा और महासभा बनायी। नतीजा है कि जाति संगठनों की भरमार है। ज्यादातर जाति संगठनों के पास लिखित नीति या उद्देश्य नहीं है। यदा कदा जाति - भोज होता है, जाति का कोई नेता जीत गया तो उसे माल्यार्पण होता है या फिर जाति का कोई खेल, अफसरी , डिग्री आदि में अच्छा करता है तो उसका स्वागत समारोह होता है। अपने जाति के नेता के साथ फोटो खींचा कर फेसबुक पर डालना उसका कर्तव्य होता है। इसके पीछे लोगों का आर्थिक और राजनैतिक स्वार्थ सक्रिय होता है। सीमित अर्थ में इन जाति संगठनों की एक उपयोगी भूमिका हो सकती है। अगर वह अपनी ही जाति के निर्धनों को जमीन दे दे या जाति के अंदर दहेज प्रथा रोक दे या जाति के अंदर की सामाजिक बुराइयों को दूर करे या पढ़ाई-लिखाई में अपनी जाति के गरीबों को मदद करे।

आज भीषण स्वार्थ से ग्रसित लोग लोकतंत्र और सामाजिक परिवर्तन के रास्ते में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। महात्मा बुद्ध से लेकर जगदेव प्रसाद तक बहुजन हिताय की बात करते रहे और आज उन्हें भी जाति में विभाजित कर उसकी परंपरा को भी नष्ट कर रहे हैं। हमें जाति विनाश के बारे में सोचना चाहिए, न कि उसकी जड़ में पानी और खाद देकर लहकाना चाहिए। लोकतंत्र लोगों का तंत्र है, वह जाति या संप्रदाय का तंत्र नहीं है। एक सौ वर्ष के हिन्दू संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अब तक के छह सर संघचालक में पांच ब्राह्मण और एक राजपूत हुए हैं। वर्षों बरस एक जातिवादी मानसिकता का आदमी सर संघचालक पद पर बैठा रहता है। उसने आज तक हिन्दू एकता तक की बात नहीं सोची। अगर सोचता तो जाति विनाश के बारे में भी सोचता। जाति रहते हुए हिन्दू एकता कैसे हो सकती है? जिस संगठन में कोई चुनाव नहीं होता, उस संगठन से निकला आदमी लोकतांत्रिक कैसे हो सकता है?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

माँ बाप की सेवा करना हरेक पुत्र का दायित्व है

> माँ बाप की सेवा करना हरेक पुत्र का दायित्व है जो आपके यश को उज्जवल करती है गुरु गोबिंद सिंह जी के दो सबसे छोटे बेटे, साहिबजादा ज़ोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी, जो दसवें सिख गुरु थे, उन्हें 26 दिसंबर, 1704 को सरहिंद (आज का फतेहगढ़ साहिब, पंजाब) में ज़बरदस्ती अपना धर्म छोड़ने से इनकार करने पर ज़िंदा दीवारों में चुनवा दिया गया और वे शहीद हो गए |वजीर खान ने धर्म परिवर्तन कराने की पुरी कोशिश की प्रलोभन दिया और यहाँ तक कहा की बड़े होने पर सुन्दर सुन्दर बेगम मिलेगी लेकिन जो माता पिता का संस्कार था

संजय गोस्वामी

वो डगमगाऐ नहीं मरना पसंद किया और शहीद हो गया अतः आज बच्चे माता पिता को इग्नोर क्यों करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है मेरी बेगम या रानी बहुत सुन्दर है वो जो कहेजी वो ठीक होगा और रात्रि में सोने का एक अलग मजा होगा सच कटु होगा लेकिन आप डाकदल में बुरी तरह से फंसे हो और दुनिया में जिम्मेदारी नाम की भी चीज होती है और पत्नी प्रेम में रखना ठीक है लेकिन माता और पिता का सहारा बनना भी जरुरी है क्योंकि जब पालण पोषण पढ़ाया लिखाया तो वो भूल क्यों जाते हो सीखो श्रवण कुमार से नहीं तो आप गकत रास्ते की ओर चल पड़े और चाह कर भी आपस में टकराव देखने को मिलता है बच्चे को अपना देखना है चाहे आपका सर जले या पेट दर्द बिमारी से परेशान हो इतना पत्नी प्रेम में ना डुवो की वृद्धा आश्रम में डाल दो इसलिए आप अपने भविष्य को देख कर ही निर्णय लो हो सकता है भगवान राम जैसा वनवास मिले लेकिन आगे का भविष्य आपको हमेशा माता पिता की दुआ देगी संस्कार अच्छा होना चाहिए सीखो श्रवण कुमार से जो दुनिया से चला तो गया लेकिन इतिहास बना दिया आप बाल बलिदान दिवस तो मानते है लेकिन सीखते क्या है गुरु गोविन्द सिंह के दो मासूम बच्चे जब अपनी क़ुरबानी दि होगी तो इतने छोटे से बच्चे से नहीं सीखा आप पढ़कर भी अनपढ़ से भी कहीं ख़राब हो क्योंकि आपकी मानसिकता गलत तब होती है जब पत्नी प्रेम में डुबकी लगा कर आंनद से रहते हो और माता पिता को अकेले छोड़ कर पल्ला छुड़ाने की कोशिश करते हो पितृभक्त पुत्र श्रवण कुमार को याद करो जिसने अपने माता पिता को टोकड़ी में लेकर तीर्थ स्थान पर ले गए और गलती से पानी लाने के चक्कर में राजा दशरथ के हाथों शिकार हो गया लेकिन माता पिता का पुत्र के प्रति प्रेम इतना था की उन्होंने राजा दशरथ को ही श्राप दें दिया और उनके पुत्र भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास मिला और उनके वियोग में उन्होंने भी वही पीड़ा सही और स्वर्गवास हो गया इस बात को भगवान राम भी जानते होंगे लेकिन राज़ सिंहासन छोड़ कर उनके वचन को निभाया राजा दसरथ उस समय यदि अपनी पत्नी कैकई के मायाजाल में ना फँसते तो शायद भगवान राम को वनवास ना मिलता और राज़तिलक होता लेकिन विधि का विधान कौन टाल सकता द्ध हुआ ऐ की पितृभक्त पुत्र श्रवण कुमार एक जिन्हें आज भी मातृ-पितृभक्ति के लिए जाना जाता हैं। इतिहास में मातृभक्ति और पितृभक्ति के लिए श्रवण कुमार का नाम अमर हैं। हिन्दू धर्म ग्रंथ रामायण में श्रवण कुमार का उल्लेख है। सबसे खास बात यह है कि ये वही श्रवण कुमार हैं जिनके माता-पिता के श्राप के कारण राजा पुत्र वियोग में राजा दशरथ की मृत्यु हुई थी। श्रवण कुमार की कथा श्रवण कुमार की कथा फॉलो करें श्रवण कुमार के माता-पिता श्रवण अपने माता-पिता से अतुलनीय प्रेम करते थे। इनके माता-पिता नेत्रहीन थे इसलिए वो उनकी अत्यंत श्रद्धापूर्वक सेवा करते थे। श्रवण की मां ने उन्हें बहुत कष्ट उठाकर पाला था। श्रवण अपने माता-पिता के कामों में बहुत मदद करते थे।

घर का सारा काम जैसे नदी से पानी भरकर लाना, जंगल से लकड़ियां लाना, चूल्हा जलाकर खाना बनाना आदि, श्रवण कुमार ही करते थे। माता-पिता का काम करने में वो जरा भी थकते नहीं थे बल्कि उन्हें आनंद मिलता था। माता-पिता उन्हें हमेशा आशीर्वाद देते रहते। माता-पिता की तीर्थयात्रा एक बार उनके अंधे माता-पिता ने इच्छा जताई की उनके बेटे ने उनकी सभी इच्छाएं पूरी की है बस एक इच्छा बाकी रह गई है। उन्होंने तीर्थयात्रा करने की इच्छा जताई। श्रवण कुमार ने माता-पिता की आज्ञा मानते हुए उन्हें प्राण रहते उनकी इच्छा पूरी करने का वचन दे दिया। कंधे पर कांवर लेकर और उसमें दोनों को बैठाकर वह तीर्थयात्रा करने निकल पड़े। श्रवण अपने माता-पिता को कई तीर्थ स्थानों जैसे गया, काशी, प्रयाग आदि लेकर गए और उन्हें तीर्थ के बारे में सारी बातें सुनाते रहे। ईश्वर कौन है? भगवद्गीता में किस प्रकार ईश्वर की व्याख्या की गई है? अयोध्या तीर्थ एक दिन श्रवण माता-पिता के साथ अयोध्या के समीप जंगल में पहुचे जहा रात्रि के समय वो विश्राम कर रहे थे। उनकी माता को प्यास लगने पर वो पास ही बहती नदी से पानी लेने चले गए। श्रवण कुमार पानी लेने के लिए अपना लोटा लेकर सरयू तट पर गए। उस समय अयोध्या के राजा दशरथ थे। राजा दशरथ को शिकार खेलने का बहुत शौक था। वे रात में भी जंगल में शिकार खेलने चले जाते थे क्यूंकि उन्हें शब्दभेदी बाण चलाने में महारथ हासिल थी। पावस ऋतु में सायंकाल वे धनुष-बाण लेकर सरयू के किनारे गये। उसी समय वह पर श्रवण अपने, माता - पिता के लिए जल भरने आए हुए थे। राजा दशरथ की भूल राजा रात के समय जल पीने के लिए आए किसी वन्य पशु का शिकार करना चाहते थे। अचानक पानी की कुछ आवाज सुनकर उन्हें लगा कि कोई वन्य पशु पानी पीने आया है जबकि श्रवण ने जल भरने के लिए कमंडल को पानी में डुबोया था। बर्तन में पानी भरने की अवाज सुनकर राजा दशरथ ने जानवर समझकर और सुनकर अचूक निशाना लगा दिया। आवाज के आधार पर उन्होंने तीर मारा जो श्रवण के सीने में जा लगा। श्रवण के मुंह से 'आह' निकल गई। राजा तीर चलाने के बाद सरयू तट पर शिकार को लेने गए तो उन्हें अपनी भूल का अहसास हुआ। उनसे अनजाने में अपराध हो गया। उन्होंने श्रवण से क्षमा मांगते हुए कहा - मुझे क्षमा करना भाई। ये अपराध मैंने अनजाने में कर दिया है। बताइए मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं? एक ऐसा मंदिर जहां स्वयं माता सीता ने किया था अपने ससुर राजा दशरथ का पिंडदान श्रवण कुमार का दुःख जब राजा दशरथ को ने श्रवण से क्षमा मांगी तो श्रवण ने राजा को दुखी देख कहा- राजन मैं अपनी मृत्यु के लिए दुखी नहीं हूं किंतु अपने माता-पिता के लिए बहुत दुखी हूं। मैं अपने अंधे माता-पिता को तीर्थ यात्रा पूरी नहीं करवा पाऊंगा। आप उन्हें जल पिलाकर उनकी प्यास शांत करके उन्हें मेरी मृत्यु का समाचार सुना दें। श्रवण के माता- पिता का श्राप जब राजा दशरथ श्रवण के माता- पिता के पास पहुचे और उन्हें ये दुखद समाचार सुनाया तो वो दोनों विलाप करने लगे। बूढ़े माता-पिता ने राजा दशरथ को उनसे उनके बेटे को छीनने के अपराध में श्राप दे डाला। उन्होंने शाप दिया कि जा राजा तू भी हमारी ही तरह पुत्र वियोग में तड़प कर प्राण त्याग करेगा। इसी कारणवश राजा दशरथ को भी पुत्र वियोग सहना पड़ा था। रामचंद्र जी के चौदह साल के वनवास के वियोग को वो सह नहीं सकें और उन्होंने पुत्र वियोग में अपने प्राण त्याग दिए।

पितृभक्त पुत्र श्रवण कुमार एक पौराणिक पात्र हैं जिन्हें आज भी मातृ-पितृभक्ति के लिए जाना जाता हैं। इतिहास में मातृभक्ति और पितृभक्ति के लिए श्रवण कुमार का नाम अमर हैं। हिन्दू धर्म ग्रंथ रामायण में श्रवण कुमार का उल्लेख है। सबसे खास बात यह है कि ये वही श्रवण कुमार हैं जिनके माता-पिता के श्राप के कारण राजा पुत्र वियोग में राजा दशरथ की मृत्यु हुई थी। श्रवण कुमार की कथा श्रवण कुमार की कथा फॉलो करें श्रवण कुमार के माता-पिता श्रवण अपने माता-पिता से अतुलनीय प्रेम करते थे। इनके माता-पिता नेत्रहीन थे इसलिए वो उनकी अत्यंत श्रद्धापूर्वक सेवा करते थे। श्रवण की मां ने उन्हें बहुत कष्ट उठाकर पाला था। श्रवण अपने माता-पिता के कामों में बहुत मदद करते थे। घर का सारा काम जैसे नदी से पानी भरकर लाना, जंगल से लकड़ियां लाना, चूल्हा जलाकर खाना बनाना आदि, श्रवण कुमार ही करते थे। माता-पिता का काम करने में वो जरा भी थकते नहीं थे बल्कि उन्हें आनंद मिलता था। माता-पिता उन्हें हमेशा आशीर्वाद देते रहते। माता-पिता की तीर्थयात्रा एक बार उनके अंधे माता-पिता ने इच्छा जताई की उनके बेटे ने उनकी सभी इच्छाएं पूरी की है बस एक इच्छा बाकी रह गई है। उन्होंने तीर्थयात्रा करने की इच्छा जताई। श्रवण कुमार ने माता-पिता की आज्ञा मानते हुए उन्हें प्राण रहते उनकी इच्छा पूरी करने का वचन दे दिया। कंधे पर कांवर लेकर और उसमें दोनों को बैठाकर वह तीर्थयात्रा करने निकल पड़े। श्रवण अपने माता-पिता को कई तीर्थ स्थानों जैसे गया, काशी, प्रयाग आदि लेकर गए और उन्हें तीर्थ के बारे में सारी बातें सुनाते रहे। ईश्वर कौन है? भगवद्गीता में किस प्रकार ईश्वर की व्याख्या की गई है? अयोध्या तीर्थ एक दिन श्रवण माता-पिता के साथ अयोध्या के समीप जंगल में पहुचे जहा रात्रि के समय वो विश्राम कर रहे थे। उनकी माता को प्यास लगने पर वो पास ही बहती नदी से पानी लेने चले गए। श्रवण कुमार पानी लेने के लिए अपना लोटा लेकर सरयू तट पर गए। उस समय अयोध्या के राजा दशरथ थे। राजा दशरथ को शिकार खेलने का बहुत शौक था। वे रात में भी जंगल में शिकार खेलने चले जाते थे क्यूंकि उन्हें शब्दभेदी बाण चलाने में महारथ हासिल थी। पावस ऋतु में सायंकाल वे धनुष-बाण लेकर सरयू के किनारे गये। उसी समय वह पर श्रवण अपने, माता - पिता के लिए जल भरने आए हुए थे। राजा दशरथ की भूल राजा रात के समय जल पीने के लिए आए किसी वन्य पशु का शिकार करना चाहते थे। अचानक पानी की कुछ आवाज सुनकर उन्हें लगा कि कोई वन्य पशु पानी पीने आया है जबकि श्रवण ने जल भरने के लिए कमंडल को पानी में डुबोया था। बर्तन में पानी भरने की अवाज सुनकर राजा दशरथ ने जानवर समझकर और सुनकर अचूक निशाना लगा दिया। आवाज के आधार पर उन्होंने तीर मारा जो श्रवण के सीने में जा लगा। श्रवण के मुंह से 'आह' निकल गई। राजा तीर चलाने के बाद सरयू तट पर शिकार को लेने गए तो उन्हें अपनी भूल का अहसास हुआ। उनसे अनजाने में अपराध हो गया। उन्होंने श्रवण से क्षमा मांगते हुए कहा - मुझे क्षमा करना भाई। ये अपराध मैंने अनजाने में कर दिया है। बताइए मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं? एक ऐसा मंदिर जहां स्वयं माता सीता ने किया था अपने ससुर राजा दशरथ का पिंडदान श्रवण कुमार का दुःख जब राजा दशरथ को ने श्रवण से क्षमा मांगी तो श्रवण ने राजा को दुखी देख कहा- राजन मैं अपनी मृत्यु के लिए दुखी नहीं हूं किंतु अपने माता-पिता के लिए बहुत दुखी हूं। मैं अपने अंधे माता-पिता को तीर्थ यात्रा पूरी नहीं करवा पाऊंगा। आप उन्हें जल पिलाकर उनकी प्यास शांत करके उन्हें मेरी मृत्यु का समाचार सुना दें। श्रवण के माता- पिता का श्राप जब राजा दशरथ श्रवण के माता- पिता के पास पहुचे और उन्हें ये दुखद समाचार सुनाया तो वो दोनों विलाप करने लगे। बूढ़े माता-पिता ने राजा दशरथ को उनसे उनके बेटे को छीनने के अपराध में श्राप दे डाला। उन्होंने शाप दिया कि जा राजा तू भी हमारी ही तरह पुत्र वियोग में तड़प कर प्राण त्याग करेगा। इसी कारणवश राजा दशरथ को भी पुत्र वियोग सहना पड़ा था। रामचंद्र जी के चौदह साल के वनवास के वियोग को वो सह नहीं सकें और उन्होंने पुत्र वियोग में अपने प्राण त्याग दिए अतः अगर अपने माता पिता की सेवा करो यही आपका कर्तव्य हैं कुछ नहीं इस संसार से लेकर जाओगे सिर्फ इंसानियत ही काम आएगा और माता पिता की सेवा ही इंसान को पवित्र करती है।

परीक्षा का डर नहीं, आत्मविश्वास का उत्सव जब अपेक्षाओं का बोझ उतरे, तब सीखने की उड़ान शुरू हो

फरवरी-मार्च का नाम आते ही घरों का माहौल बदलने लगता है। वही कमरे, वही मेज, वही किताबें, लेकिन हवा में एक अनकहा तनाव घुल जाता है। रात भर जलती लाइटें, कॉफी या चाय के कप, आंखों में नींद और मन में आशंका यह दृश्य आज असामान्य नहीं रहा। परीक्षा अब केवल ज्ञान की परख नहीं रह गई है, वह बच्चों के मन के लिए एक कसौटी बन चुकी है। जैसे ही तारीखें नजदीक आती हैं, कई बच्चों के पैरों में कंपन, दिल की धड़कन तेज होना और अगर अच्छा नहीं हुआ तो जैसे सवाल मन पर हावी हो जाते हैं। डर धीरे-धीरे आत्मविश्वास को ढक लेता है और पढ़ा हुआ ज्ञान भी धुंधला पड़ने लगता है।

कांतिलाल मांडोत

असल समस्या परीक्षा नहीं है, समस्या वह माहौल है जो परीक्षा के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया गया है। जब परीक्षा को जीवन-मरण का सवाल बना दिया जाता है, तब बच्चा सवाल हल करने से ज्यादा अपने भविष्य को लेकर डरने लगता है। माता-पिता की उम्मीदें, समाज की तुलना और स्कूल का अंक-केंद्रित ढांचा मिलकर बच्चों के कंधों पर ऐसा बोझ रख देते हैं, जिसे उठाना हर किसी के बस की बात नहीं होती। परिणाम यह होता है कि परीक्षा ज्ञान का उत्सव बनने के बजाय भय का कारण बन जाती है।

मनोरोग विशेषज्ञ और शिक्षा मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि अत्यधिक दबाव में शरीर में तनाव हार्मोन बढ़ जाते हैं। इससे नींद प्रभावित होती है, भूख कम हो जाती है और ध्यान भटकने लगता है। बच्चा जितना ज्यादा डरता है, उतना ही उसका प्रदर्शन गिरने की आशंका बढ़ती जाती है। यह एक दुष्चक्र है।डर से प्रदर्शन कमजोर, और कमजोर प्रदर्शन से डर और गहरा। ऐसे में सबसे जरूरी सवाल यह है कि इस डर को कैसे तोड़ा जाए।

डर तोड़ने की शुरुआत सोच बदलने से होती है। बच्चे को यह महसूस कराना जरूरी है कि परीक्षा उसकी काबिलियत का एक पड़ाव है, पूरी पहचान नहीं। जब बच्चा यह समझ लेता है कि एक पेपर उसका भविष्य तय नहीं करता, तब उसके भीतर छुपा आत्मविश्वास धीरे-धीरे बाहर आने लगता है। पढ़ाई का मकसद नंबर जुटाना नहीं, समझ विकसित करना है।यह बात अगर घर और स्कूल दोनों जगह दोहराई जाए, तो आधा डर अपने आप कम हो जाता है।

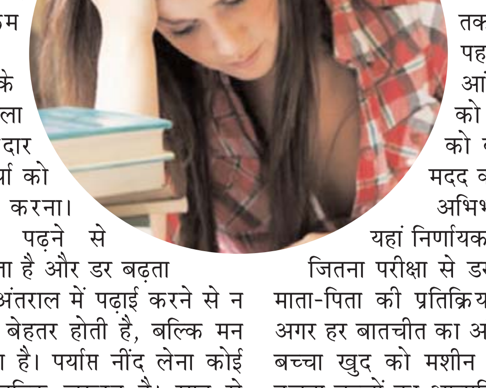

बच्चों के लिए सबसे पहला और असरदार उपाय है दिनचर्या को संतुलित करना। लगातार घंटों पढ़ने से दिमाग थक जाता है और डर बढ़ता है। छोटे-छोटे अंतराल में पढ़ाई करने से न सिर्फ याददाश्त बेहतर होती है, बल्कि मन भी हल्का रहता है। पर्याप्त नींद लेना कोई विलास नहीं, बल्कि जरूरत है। सात से आठ घंटे की नींद दिमाग को तरोताजा रखती है और परीक्षा के समय घबराहट कम करती है। हल्की शारीरिक गतिविधि जैसे टहलना, स्ट्रेचिंग या योग, शरीर में सकारात्मक रसायन छोड़ती है जो तनाव को काबू में रखते हैं।

डर अक्सर अनिश्चितता से पैदा होता है। अगर सवाल नहीं आया तो?, अगर भूल गया तो? जैसे विचार मन को जकड़ लेते हैं। ऐसे में बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि वे अपने डर को नाम दें और उससे बात करें। जब डर को मन में दबाने के बजाय स्वीकार किया जाता है, तो उसकी तीव्रता कम होने लगती है। गहरी सांस लेने की सरल तकनीकें, परीक्षा से पहले कुछ मिनट आंखें बंद कर खुद को शांत करना, मन को वर्तमान में लाने में मदद करता है।

अभिभावकों की भूमिका यहां निर्णायक हो जाती है। बच्चे जितना परीक्षा से डरते हैं, उतना ही वे माता-पिता की प्रतिक्रिया से भी डरते हैं। अगर हर बातचीत का अंत अंकों पर हो, तो बच्चा खुद को मशीन समझने लगता है। तुलना बच्चों का आत्मविश्वास सबसे तेजी से तोड़ती है। जब किसी और के बच्चे की सफलता को आदर्श बनाकर पेश किया जाता है, तो संदेश साफ होता है।तुम जैसे हो, वैसे पर्याप्त नहीं हो। इसके उलट, अगर माता-पिता बच्चे की मेहनत को सराहें, उसकी कोशिशों को महत्व दें और असफलता की स्थिति में भी साथ खड़े रहें, तो बच्चा डर के बजाय भरोसे के साथ परीक्षा का सामना करता है।

सुनना भी एक बड़ी दवा है। कई बार बच्चे समाधान नहीं, सिर्फ समझ चाहते हैं। जब वे अपनी घबराहट, थकान या उलझन साझा करते हैं और सामने वाला बिना टोके, बिना उपदेश दिए उनकी बात सुन लेता है, तो मन का बोझ हल्का हो जाता है। घर का माहौल अगर सुरक्षित हो, जहां गलती पर डांट नहीं बल्कि बातचीत हो, तो परीक्षा का डर दरवाजे पर ही दम तोड़ देता है।

शिक्षकों के कंधों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। अगर कक्षा में लगातार यह एहसास दिलाया जाए कि टेस्ट सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, अंतिम फैसला नहीं, तो बच्चों का नजरिया बदल सकता है। अंक के साथ-साथ प्रयास, रचनात्मकता और समझ की सराहना की जाए, तो छात्र खुद को सिर्फ नंबरों में सीमित नहीं मानते। कक्षा शुरू होने से पहले कुछ पल का ध्यान या शांत बैठना, बच्चों की एकाग्रता बढ़ाता है और मन को स्थिर करता है। शिक्षक अगर डर के बजाय भरोसे की भाषा बोलें, तो उसका असर गहरा और स्थायी होता है।

दुनिया के कई देशों ने यह समझ लिया है कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धा बच्चों को मजबूत नहीं, कमजोर बनाती है। सहयोग, कौशल और जीवन-उद्देश्य पर आधारित शिक्षा मॉडल यह दिखाते हैं कि जब परीक्षा का दबाव कम होता है, तब सीखने की खुशी बढ़ती है। भारत में भी हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि शिक्षा का लक्ष्य केवल रैंक नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ व्यक्तित्व होना चाहिए। न्यायपालिका तक यह स्वीकार कर चुकी है कि लगातार मानसिक दबाव बच्चों के लिए नुकसानदेह है और संस्थानों को मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए।

अंत में, यह समझना जरूरी है कि डर का इलाज डर से नहीं, विश्वास से होता है। जब बच्चे को यह भरोसा मिले कि वह अपने अंकों से बड़ा है, उसकी काबिलियत एक परीक्षा में नहीं समा सकती, तब उसकी रीढ़ सीधी हो जाती है। परीक्षा फिर डर नहीं रहती, वह खुद को परखने और बेहतर बनने का अवसर बन जाती है। अगर हम सब माता-पिता, शिक्षक और समाज मिलकर अपेक्षाओं का बोझ थोड़ा हल्का कर दें, तो बच्चे मुस्कान के साथ परीक्षा कक्ष में कदम रखेंगे।

परीक्षा तब उत्सव बनेगी, जब हम उसे सीखने की यात्रा का पड़ाव मानेंगे, मंजिल नहीं। जब बच्चे के मन से भय हटेगा, तब ज्ञान अपने आप खिल उठेगा। यही वह बदलाव है, जिसकी आज सबसे ज्यादा जरूरत है।

ग्रामीण आजीविका का सशक्त माध्यम बन रहा मछली पालन, महिलाओं को मिल रहा आर्थिक स्वावलंबन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में मछली पालन ग्रामीण आजीविका के एक सशक्त और टिकाऊ विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित डबरियों, अमृत सरोवरों तथा सिंचाई जलाशयों का उपयोग कर मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं बल्कि महिलाओं और किसानों को आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में नई मजबूती मिल रही है। एमसीबी जिले के तीनों जनपद पंचायत क्षेत्रों में विगत वर्षों में 780 से अधिक डबरियों का निर्माण किया गया है इसके अतिरिक्त मिशन अमृत सरोवर अंतर्गत निर्मित 87 अमृत सरोवरों में से चयनित 15 अमृत सरोवरों में इस वर्ष मछली पालन प्रारंभ किया गया है।

स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं इस गतिविधि से जुड़कर आय अर्जित कर रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना रही हैं मछली पालन से ग्रामीणों को दोहरा लाभ मिल रहा है एक ओर यह आय का स्थायी स्रोत बन रहा है वहीं दूसरी ओर ग्रामीण परिवारों के पोषण स्तर में भी सुधार हो रहा है गांवों में आजीविका डबरी निर्माण की मांग निरंतर बढ़ रही है जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं वहीं वर्ष 2024-25 के दौरान मनरेगा योजना अंतर्गत निर्मित 500 डबरियों में मत्स्य विभाग द्वारा किसानों को अनुदान पर मत्स्य बीज उपलब्ध कराया गया इसी प्रकार वर्ष 2025-26 में 300 डबरियों तथा 15 अमृत सरोवरों में मत्स्य बीज (फिंगरलिंग) वितरण कर मत्स्य पालन को प्रोत्साहित किया गया।

इस पहल से ग्रामीणों को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त हुए हैं विकासखंड भरतपुर में 30 हितग्राहियों को शत-प्रतिशत अनुदान पर मछली पकड़ने के जाल उपलब्ध कराए गए हैं जिससे उत्पादन और आय में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ी हैं इसके साथ ही जिले के सिंचाई जलाशयों में भी मत्स्य पालन की व्यापक संभावनाओं को साकार किया जा रहा है विकासखंड खडगवा के 62 हेक्टेयर रकबे वाले बरदर सिंचाई जलाशय में मधुना सहकारी समिति के 9 हितग्राहियों द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 162 केज स्थापित कर मत्स्य पालन प्रारंभ किया गया है इस पहल से रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं तथा आय में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना बनी है। मछली के परिवहन एवं विपणन को सुदृढ़ बनाने हेतु 20 किसानों को आइस बॉक्स भी वितरित किए गए है जिससे उपभोक्ताओं को ताज़ी मछली उपलब्ध कराई जा रही है जिले में वर्तमान में 15 मछुआ सहकारी समितियां सक्रिय रूप से कार्यरत हैं जिन्हें शासन की समृद्धि योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के लाभ प्रदान किए जा रहे हैं वर्ष 2024-25 में विकासखंड खडगवा के उधनापुर सिंचाई जलाशय की मछुआ सहकारी समिति को अनुदान पर एक फाइबर बोट प्रदान की गई, जिससे मत्स्य उत्पादन और संग्रहण कार्य में सुविधा हुई तथा समिति की आय में वृद्धि सुनिश्चित हुई जिले की अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियां, जल संसाधनों की उपलब्धता तथा विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन मछली पालन को एक लोकप्रिय और लाभकारी व्यवसाय के रूप में स्थापित कर रहा है यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है और विशेष रूप से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर कर रही है।

जिनेश जैन बने प्रदेश के सबसे कम उम्र के CMA जिले का नाम रोशन, परिवार में खुशी का माहौल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। 21 वर्षीय जिनेश जैन ने कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (CMA) की परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रदेश के सबसे कम उम्र के CMA बनने का गौरव हासिल किया है इस उपलब्धि से उन्होंने नगर और पूरे जिले का नाम रोशन किया है परीक्षा देश की प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है जिसमें सफलता के लिए विषयों की गहरी समझ, अनुशासन और निरंतर अध्ययन की आवश्यकता होती है जिनेश ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन के बल पर कम उम्र में यह मुकाम हासिल कर यह साबित किया है कि प्रतिभा और दृढ़ संकल्प से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है जिनेश जैन जो राजेश कुमार जैन कतेला के पुत्र हैं की इस सफलता से उनका परिवार, समाज और क्षेत्र गौरवान्वित महसूस कर रहा है। यह खबर फैलते ही नगर और आसपास के क्षेत्रों से बधाई देने वालों का तांता लग गया। परिजनों, मित्रों, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताया क्षेत्रवासियों ने दी बधाई स्थानीय लोगों का मानना है कि जिनेश की यह सफलता अन्य युवाओं को भी कड़ी मेहनत और सही लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी क्षेत्रवासियों, समाज के वरिष्ठजनों और शुभचिंतकों ने जिनेश जैन को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

वैशाली नदी से 10 दिन में हटेगा अतिक्रमण, कोर्ट ने नगर निगम को दी मोहलत; सामाजिक निगरानी पर जोर

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। वैशाली नदी से अतिक्रमण हटाने के मामले में नगर निगम को कोर्ट से 10 दिन का समय मिला है। कोर्ट ने कहा है कि निगम इस समय के अंदर पूरी कार्रवाई कर रिपोर्ट पेश करे सुनवाई के दौरान नगर निगम के वकील ने कोर्ट को बताया कि अतिक्रमण हटाने और पूरी रिपोर्ट तैयार करने के लिए थोड़ा समय चाहिए उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगली सुनवाई से पहले नदी क्षेत्र से अतिक्रमण हटा दिया जाएगा और रिपोर्ट भी जमा कर दी जाएगी दूसरे पक्ष के वकीलों ने भी कहा कि जैसे ही अतिक्रमण हटेगा, वैशाली नदी को दोबारा जीवित करने का काम शुरू कर दिया जाएगा नदी की सफाई, सौंदर्यीकरण और पानी के बहाव को सही करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे कोर्ट ने मामले को गंभीर बताते हुए सोशल ऑडिट पर भी जोर दिया कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा है कि वे शहर के प्रतिष्ठित लोगों और तकनीकी विशेषज्ञों के नाम सुझाएं, ताकि काम की सही तरीके से निगरानी हो सके साथ ही कोर्ट ने सभी पक्षों को मिलकर काम करने के निर्देश दिए हैं ताकि नदी के संरक्षण और सुधार का काम बिना रुकावट के आगे बढ़ सके अब इस मामले की अगली सुनवाई 23 फरवरी से शुरू होने वाले सप्ताह में होगी। शहर के लोग अब नगर निगम की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

बोर्ड परीक्षाओं के लिए डीजे-लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध, SDM रात 10 से सुबह 6 बजे तक पूर्ण बंद रखने के दिए आदेश; उल्लंघन पर FIR

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर सिवनी मालवा एसडीएम विजय राय ने मंगलवार रात डीजे और लाउडस्पीकर के उपयोग पर सख्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है इस आदेश के तहत रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर डीजे वाहन जब्त किए जाएंगे एसडीएम विजय राय ने बताया कि अनुविभाग सिवनी मालवा की राजस्व सीमा में विवाह समारोहों और सामाजिक कार्यक्रमों में लाउडस्पीकर/डीजे का उपयोग निर्धारित ध्वनि सीमा और समय सीमा का उल्लंघन कर किया जा रहा था यह कोलाहल नियंत्रण अधिनियम और माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है उन्होंने आगे बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी की वार्षिक परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित किया जा चुका है अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण से विद्यार्थियों की एकाग्रता प्रभावित हो रही थी जिससे उनके शैक्षणिक भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका थी बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर सिवनी मालवा में डीजे और लाउडस्पीकर पर समयबद्ध प्रतिबंध लागू इस संबंध में 9 फरवरी को डीजे संचालकों और आयोजकों की बैठक आयोजित कर उन्हें नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए थे इसके बावजूद लगातार उल्लंघन की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं लोक शांति, यातायात व्यवस्था, दुर्घटनाओं की रोकथाम और छात्रों के हित को देखते हुए यह आदेश जारी किया गया है रात 10 से सुबह 6 बजे तक डीजे पूर्ण प्रतिबंधित रहेगा आदेश के प्रमुख बिंदुओं में रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक लाउडस्पीकर/डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध शामिल है अनुमत समय में भी निर्धारित डेसिबल सीमा से अधिक आवाज की अनुमति नहीं होगी किसी भी परीक्षा केंद्र के 200 मीटर के दायरे में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा उल्लंघन की स्थिति में डीजे वाहन जब्त कर वैधानिक दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी साथ ही किसी भी आयोजन से पहले लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगा एसडीएम विजय राय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्राप्त शक्तियों का उपयोग करते हुए यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया है आदेश की सूचना समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, थानों, नगरपालिका, जनपद पंचायत और कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाएगी आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध धारा 223 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की जाएगी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

जिले में धान उठाव ने पकड़ी रफ्तार, 2.83 लाख क्विंटल परिवहन के साथ 32.19 प्रतिशत प्रगति दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। धान खरीदी विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान उठाव अभियान ने अब तेज रफ्तार पकड़ ली है जिला प्रशासन की सुदृढ़ कार्ययोजना, विभागीय समन्वय और सतत मॉनिटरिंग के चलते उपार्जन केंद्रों से धान का सुरक्षित एवं समयबद्ध उठाव निरंतर जारी है सुव्यवस्थित परिवहन व्यवस्था के कारण उपार्जन केंद्रों में किसी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति निर्मित नहीं हो रही है और किसानों को भी किसी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है जिले के 19 हजार 58 किसानों से अब तक कुल 8 लाख 79 हजार 848 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है विभिन्न उपार्जन केंद्रों से धान उठाव की स्थिति इस प्रकार है जिसमें 17,380 क्विंटल, खड़गवां से 1,540 क्विंटल, बरदर से 19,530 क्विंटल, रतनपुर से 18,830 क्विंटल, सिंगहत से 13,610 क्विंटल, कुवांरपुर से 890 क्विंटल, घुटरा से 17,130 क्विंटल, माड़ीसरई से 8,120 क्विंटल तथा सिंगरौली से 900 क्विंटल धान का उठाव किया जा चुका हैअब तक जिले में कुल 2 लाख 83 हजार 240 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक उठाव पूर्ण हो चुका है, जो कुल उपार्जित धान का 32.19 प्रतिशत यह आंकड़ा जिले में उठाव कार्य की सतत और प्रभावी प्रगति को दर्शाता है निर्धारित परिवहन व्यवस्था के तहत धान को सीधे मिलरों तक पहुंचाया जा रहा है जिससे भंडारण व्यवस्था संतुलित बनी हुई है।

एयरफोर्स ऑफिसर के साथ ऑनलाइन फ्रॉड, 2 बैंकों के क्रेडिट कार्ड से ठगों ने खरीदे 8 मोबाइल PK फाइल खुलने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। महाराजपुरा स्थित एयरफोर्स स्टेशन में पदस्थ ज्वाइंट वारेंट ऑफिसर के साथ 6 फरवरी की रात ऑनलाइन फ्रॉड हुआ उनके स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और इंडसइंड बैंक के क्रेडिट कार्ड से 1.66 लाख रुपए की ऑनलाइन खरीदारी की गई मामले की शकायत महाराजपुरा थाने में दर्ज की गई है अधिकारी ऋषि नरगोवा, निवासी एयरफोर्स स्टेशन महाराजपुरा, मूल रूप से जम्मू के रहने वाले हैं। 6 फरवरी की रात उनके मोबाइल पर ट्रांजैक्शन के दो मैसेज आए जिससे घटना का पता चला स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के क्रेडिट कार्ड से 95,020 रुपए और इंडसइंड बैंक के कार्ड से 70,753 रुपए की ऑनलाइन शॉपिंग की गई। दोनों ट्रांजैक्शन रात 10 बजकर 11 मिनट पर दर्ज हुए मैसेज मिलने के तुरंत बाद अधिकारी ने अपने कार्ड ब्लॉक कराए अगले दिन बैंक पहुंचने पर जानकारी मिली कि दोनों कार्ड से 8 मोबाइल फोन खरीदे गए हैं अधिकारी ने बताया कि उन्होंने किसी को ओटीपी साझा नहीं किया और न ही किसी कॉल पर कोई जानकारी दी 1930 हेल्पलाइन से ई-जीरो एफआईआर दर्ज पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की वहां से ई-जीरो एफआईआर के माध्यम से मामला महाराजपुरा थाने पहुंचा पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस को आशंका है कि अधिकारी ने अनजाने में किसी एपीके फाइल को ओपन किया हो सकता है।

दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भाजपा ने मनाया समर्पण दिवस, नपा अध्यक्ष बोले-उनके सिद्धांतों पर चलकर ही मजबूत-आत्मनिर्भर समाज बनेगा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मालवा नगर में भारतीय जनता पार्टी ने अपने आधार स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि बुधवार को 'समर्पण दिवस' के रूप में मनाई इस अवसर पर बानापुरा बस स्टैंड स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों और राष्ट्रसेवा के कार्यों को याद किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रीती शुक्ला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय केवल एक विचारक नहीं थे बल्कि राष्ट्र निर्माण का मार्ग दिखाने वाले नेता थे उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की सोच दी उन्होंने कहा कि जिस पार्टी से वे जुड़े हैं, वह आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है, जो गर्व की बात है कार्यकर्ताओं से उन्होंने अपील की कि वे अपना समय और मेहनत पार्टी को दें और संगठन को मजबूत बनाएं नपा अध्यक्ष बोले-पंडित उपाध्याय के विचार आज भी जरूरी नगर पालिका अध्यक्ष रीतेश जैन ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं उनके सिद्धांतों पर चलकर ही मजबूत और आत्मनिर्भर समाज बनाया जा सकता है नगर मंडल अध्यक्ष नीरज तिवारी ने कहा कि समर्पण दिवस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है हर कार्यकर्ता को अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझते हुए संगठन के लिए समर्पित भाव से काम करना चाहिए कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने पंडित उपाध्याय के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने पंडित उपाध्याय के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीती शुक्ला, नगर पालिका अध्यक्ष रीतेश जैन, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि शैलेन्द्र गौर, नगर मंडल अध्यक्ष नीरज तिवारी, नगर मंडल महामंत्री तुषार लौवंशी सहित कई पार्षद और पदाधिकारी मौजूद रहे बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

पिछोर में 20 करोड़ की जल परियोजना अधूरी, 4 साल से पानी को तरसे लोग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पिछोर कस्बे में 20 करोड़ रुपए से अधिक की जल परियोजना अधूरी होने पर रहवासियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर ठेकेदार और अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं यह परियोजना मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित मध्यप्रदेश अर्बन वाटर सर्विसेज इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट के तहत 2051.34 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत हुई थी लेकिन कार्य आज तक पूरा नहीं हुआ है शिकायत के अनुसार, यह परियोजना 8 अगस्त 2017 को स्वीकृत की गई थी।

कांग्रेस को भेजा होर्डिंग हटाने का नोटिस, कांग्रेसी नेता कार्यालय पहुंचे; भाजपा के दबाव में काम करने का आरोप लगाया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की ओर से कांग्रेस पार्टी को सड़क किनारे लगे होर्डिंग हटाने के लिए नोटिस भेजे जाने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है नोटिस मिलने के बाद पूर्व विधायक गुलाब कमरो, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सौरव मिश्रा सहित वार्ड पार्षद और कार्यकर्ता राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि यह नोटिस भारतीय जनता पार्टी के दबाव में भेजा गया है उनका कहना है कि केवल कांग्रेस के होर्डिंग को निशाना बनाया जा रहा है जबकि सड़क किनारे अन्य राजनीतिक दलों और निजी संस्थानों के कई होर्डिंग लंबे समय से लगे हुए हैं इस मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के एसडीओ मोहन सिंह नागरे ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि विभाग किसी राजनीतिक दबाव में काम नहीं कर रहा है उन्होंने बताया कि सड़क किनारे नियमों के खिलाफ लगे सभी होर्डिंग्स को नोटिस जारी किया जा रहा है एसडीओ नागरे के अनुसार, अब तक कुल 15 लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं इनमें अलग-अलग राजनीतिक दलों, संगठनों और निजी व्यक्तियों के होर्डिंग शामिल हैं विभाग को अब तक दो लोगों से लिखित जवाब भी मिल चुका है विभाग ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग की सीमा में सड़क किनारे लगाए गए होर्डिंग्स से यातायात बाधित होता है इससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है और सुरक्षा से जुड़े खतरे पैदा होते हैं इसी वजह से नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है कांग्रेस नेताओं ने विभाग से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज, 17 पदों पर एजेंसी के माध्यम से होगी भर्ती

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। 11 फरवरी 2026जिले में भारत की जनगणना 2027 की तैयारियां तेज हो गई हैं जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने 17 कार्मिकों की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी के अनुमोदन के बाद जारी सूचना के अनुसार जिला कार्यालय सहित जिले की सभी तहसीलों एवं नगरीय निकायों में 15 तकनीकी सहायक तथा 2 बहु-कार्य कर्मचारी (एमटीएस) की नियुक्ति एजेंसी के माध्यम से की जाएगी यह नियुक्ति 18 माह की अवधि के लिए प्रस्तावित है जिला प्रशासन ने इस कार्य के लिए इच्छुक पंजीकृत फर्मों, प्लेसमेंट एजेंसियों, लेबर सप्लायरों, ठेकेदारों एवं पंजीकृत गैर-सरकारी संगठनों से सीलबंद प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं प्रस्ताव के साथ 2,21,950 रुपये की राशि का बैंक डिमांड ड्राफ्ट या बैंकर्स चेक संलग्न करना अनिवार्य होगा इसके साथ आवश्यक दस्तावेज भी निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करने होंगे निर्देशानुसार सभी दस्तावेज दो अलग-अलग लिफाफों में भरकर एक बड़े लिफाफे में सीलबंद कर 2 मार्च 2026 को दोपहर 3:00 बजे तक जिला कार्यालय की जनगणना शाखा में पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट के माध्यम से जमा करने होंगे।

रायसेन में बड़ा हादसा टला, चलती बस का टायर फटा

तेज रफ्तार सागर-भोपाल बस हुई अनियंत्रित, चालक की सूझबूझ से 60 यात्रियों की जान बची

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सागर से भोपाल जा रही एक तेज रफ्तार यात्री बस का अगला टायर अचानक फट गया। बस में करीब 50 से 60 यात्री सवार थे। टायर फटते ही बस कुछ पल के लिए अनियंत्रित हो गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को नियंत्रित कर सड़क किनारे रोक लिया, जिससे सभी यात्री सुरक्षित बच गए। घटना सागर रोड पर विद्युत ग्रामीण कार्यालय के सामने की है। यात्रियों के मुताबिक, बस की रफ्तार करीब 70 से 80 किमी प्रति घंटा थी। अचानक जोरदार धमाके की आवाज आई, जिससे अंदर बैठे यात्री घबरा गए। गैरतगंज से भोपाल जा रहे यात्री तीरथ सिंह और सौरभ जैन ने बताया कि टायर फटने की आवाज इतनी तेज थी कि कुछ देर के लिए सभी को लगा कोई बड़ा हादसा हो गया है। बस रुकने के बाद जब यात्री नीचे

उतरे, तब उन्हें टायर फटने की जानकारी मिली। इसके बाद टायर बदलने में काफी समय लग गया, जिससे यात्रियों को सड़क किनारे परेशानी झेलनी पड़ी।

पहले भी हो चुके हैं गंभीर हादसे : जिले में यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले 13 और 14 जनवरी की दरमियानी रात इंदौर-रीवा रूट की एक बस में अचानक आग लग गई थी। उस समय बस में करीब 50 यात्री सवार थे। एक ट्रक चालक की सतर्कता से सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित उतार लिया गया था, लेकिन बस पूरी तरह जलकर राख हो गई थी। वहीं, मंगलवार देर शाम जिले में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने की घटना भी सामने आई थी, जिसे एक नाबालिग चला रहा था।

आरटीओ की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल : लगातार हो रही इन घटनाओं ने जिला परिवहन विभाग (आरटीओ) की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का आरोप है कि आरटीओ द्वारा न तो नियमित रूप से वाहनों की फिटनेस जांच की जा रही है और न ही नियम तोड़ने वाले चालकों पर सख्ती की जा रही है। इसी लापरवाही के चलते जिले में सड़क हादसों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

देवास में पारिवारिक विवाद के बाद युवक की मौत :छोटे भाई ने सिर पर किया हमला

देवास, एजेंसी। देवास के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के बाद एक युवक की मौत का मामला सामने आया है। मंगलवार देर रात करीब 11 बजे सिंगावदा पावर हाउस निवासी रवि चौहान (30) का अपने छोटे भाई से घर में विवाद हो गया। विवाद के दौरान छोटे भाई ने रवि के सिर पर किसी औजार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल रवि को परिजन तत्काल अमलतास अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार मृतक और आरोपी दोनों सगे भाई हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां बुधवार को पोस्टमार्टम किया गया।

सागर में शिक्षक से मारपीट का आरोपी गिरफ्तार, शासकीय स्कूल में घुसकर शिक्षक से गालीगलौज भी की थी

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की विनायका थाना पुलिस ने शासकीय शिक्षक के साथ मारपीट करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले करीब 1 साल से फरार था। गिरफ्तार आरोपी को थाने लाकर पूछताछ की गई। जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस के अनुसार, 24 दिसंबर 2024 को फरियादी हरिराम अहिरवार निवासी ग्राम जगथर ने थाने आकर शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि वह ग्राम सिलापरी में स्थित शासकीय विद्यालय में शिक्षक के पद पर पदस्थ है। 24 दिसंबर को आरोपी कल्यान पिता राजपाल सिंह बुंदेला निवासी सिलापरी बगैर किसी अनुमति से विद्यालय परिसर में घुस गया।

अन्य स्टाफ ने बीचबचाव कर बचाया : उसे विद्यालय में आने से रोका तो वह गालीगलौज करने लगा। गाली देने से मना किया तो मारपीट की गई। विवाद होते देख स्कूल के अन्य स्टाफ ने बीचबचाव कर मामला शांत कराया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। घटनाक्रम के बाद आरोपी फरार हो गया। जिसकी पुलिस लगातार तलाश कर रही थी। इसी बीच मंगलवार को आरोपी की लोकेशन पुलिस को गांव के पास मिली। लोकेशन मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी कल्यान सिंह बुंदेला को गिरफ्तार कर लिया। थाने लाकर पूछताछ की गई है। विनायका थाना प्रभारी भूपेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि शिक्षक से मारपीट करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से कोर्ट के आदेश पर आरोपी को जेल भेज दिया है।

नरसिंहपुर में 286 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त, ट्रक के गुप्त बंकर में छिपाकर सिलिगुड़ी भेजी जा रही थी

मीडिया ऑडीटर, नरसिंहपुर (निप्र)। नरसिंहपुर जिले की करेली थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार रात एनएच-44 पर एक आयशर ट्रक से 286 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गई। जब्त शराब और वाहन की कुल कीमत लगभग 50 लाख रुपये आंकी गई है।

मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई : पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना ने बताया कि देर रात करीब 1:30 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि राष्ट्रीय राजमार्ग से भारी मात्रा में शराब तस्करी की जा रही है। करेली थाना प्रभारी और एसडीओपी मनोज के नेतृत्व में दो टीमें गठित कर कार्रवाई की गई। सूचना के आधार पर पुलिस ने बैहर तिराहा के पास त्रिपाल से ढंके संदिग्ध ट्रक को रोका। प्रारंभिक जांच में ट्रक मिठाई के डिब्बों से भरा दिखा, लेकिन गहन तलाशी में डिब्बों के बीच लोहे की चादरों से बने गुप्त बंकर में 286 पेटी 'इम्पीरियल ब्लू' अंग्रेजी शराब छिपाई हुई मिली। कुल शराब की मात्रा लगभग 2600 बल्क लीटर थी।

शराब और ट्रक की कीमत करीब 50 लाख रुपये : पुलिस के अनुसार शराब की अनुमानित बाजार कीमत करीब 35 लाख रुपये और ट्रक की कीमत लगभग 15 लाख रुपये है। इस प्रकार कुल 50 लाख रुपये का माल जब्त किया गया।

दो आरोपी गिरफ्तार, सिलिगुड़ी की ओर भेजने की कोशिश: पुलिस ने सतीश और मनोज यादव को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब नरसिंहपुर से सिलिगुड़ी भेजी जा रही थी। पुलिस इस दावे की जांच कर रही जांच के दौरान ट्रक की नंबर प्लेट और चेसिस नंबर में भिन्नता पाई गई। पुलिस अब वाहन के असली नंबर और मालिक का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

खंडवा पुलिस लाइन में चोरी करने वाला धराया, पुलिस क्वार्टर को ही बनाता था निशाना

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा स्थित पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों के घरों को निशाना बनाने वाले शातिर चोर को कोतवाली पुलिस ने धार से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दिपेश उर्फ दिपेंद्र (29) एक लिस्टेड बदमाश है, जो इतनी कम उम्र में 16 चोरियां कर चुका है। खास बात यह है कि यह चोर पुलिस क्वार्टर्स को ही अपना निशाना बनाता था। पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 5 लाख रुपए का सोना-चांदी और नकदी बरामद की है। कोतवाली टीआई प्रवीण आर्य के मुताबिक, पुलिस लाइन के दो सरकारी क्वार्टरों में 20 जनवरी को चोरी की वारदात हुई थी। ट्रैफिक थाने में पदस्थ आरक्षक करणपाल सिंह (33) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जब वह मैहर से खंडवा लौटे, तो घर का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था। चोर उनके घर से सोने की चेन, कान के झुमके, चांदी की पायल सहित 90 हजार रुपए नकदी ले गए थे।

पड़ोसी के घर से भी जेवर और नकदी पार : इसी तरह, करणपाल सिंह के पड़ोसी सुरेश खरते के घर को भी चोरों ने निशाना बनाया था। उनके घर से एक मंगलसूत्र, दो अंगूठियां, सोने के झुमके, पायल और 6 हजार रुपए नकदी चोरी गए थे।

सीसीटीवी से मिला सुराग, धार से दबोचा : पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान की गई।

फरवरी में ही दिन का पारा 32 डिग्री पहुंचा, ठंड का असर कम, दोपहर में तेज गर्मी

किसानों को पैदावार बढ़ने की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में सर्दी का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है। लगातार ठंड और कोहरे से राहत मिली है। बुधवार को शहर का न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस सीजन का सर्वाधिक तापमान है। पिछले चार दिनों से न्यूनतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार: पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कमजोर पड़ने और उत्तर भारत से आने वाली ठंडी हवाओं की रफ्तार घटने के कारण तापमान

में यह बढ़ोतरी हो रही है। इसी वजह से पिछले चार दिनों से दिन और रात के तापमान में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। आगामी दो दिनों में तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की और बढ़ोतरी की संभावना है। जिले में 3.50 लाख हेक्टेयर रकबे में रबी की फसलें बोई गई हैं। मौसम में आए इस बदलाव से किसानों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि लगातार ठंड और कोहरे के कारण गेहूं, चना और मटर सहित अन्य रबी फसलों पर खतरा मंडरा रहा था। विशेषकर देरी से बोई गई फसलें इस समय फूल आने की अवस्था में हैं।

किसान रमण पटेल और राजेश पटेल ने बताया कि फागुन का महीना चल रहा है और अब तापमान बढ़ने से फसलें पककर तैयार होंगी। यदि मावठा (असामयिक बारिश) नहीं गिरता है, तो बंपर उत्पादन की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि चना फसल में फूल आने पर सिंचाई न करें। वहीं, गेहूं में दाना चढ़ने की अवस्था में हल्की जमीन में 15 दिनों के अंतराल पर दो सिंचाई करें। बीते चार दिनों में न्यूनतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शुक्रवार को यह 12.4 डिग्री, शनिवार को 12.8 डिग्री, रविवार को 13.0 डिग्री, सोमवार को 13.2 डिग्री और मंगलवार को भी 13.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

शराब के लिए पैसे न देने पर मां को पीटा

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी के पास घुघवासा गांव में शराब के लिए पैसे न देने पर एक बेटे ने अपनी मां के साथ मारपीट की। इस घटना में मां को सिर और पीठ पर चोटें आई हैं। पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घटना मंगलवार देर रात की है। शराब के लिए पैसे मांग रहा था बेटा आरोपी देवेंद्र पटेल नशे की हालत में अपनी 55 साल की मां मालती से शराब के लिए पैसे मांग रहा था। जब मालती ने पैसे देने से इनकार किया। ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

नर्मदापुरम में अधिवक्ता पर जानलेवा हमला

पांच गाड़ियों में पहुंचे हमलावरों ने की मारपीट8 पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिला मुख्यालय पर मंगलवार दोपहर को चक्कर रोड तिराहे के पास पेट्रोल पंप संचालक/अधिवक्ता मनु प्रताप सिंह परिहार पर जानलेवा हमला हुआ। गाड़ी से आएं हमलावरों ने मारपीट की। घर के सामने पड़ी रेत को उठाने के दौरान पांच गाड़ियों से आए लोगों ने रेत की रायल्टी को लेकर पूछताछ की। इसी दौरान विवाद बढ़ा और मारपीट शुरू हो गई। बीच बचाव के लिए आए पेट्रोल पंप कर्मचारी के साथ भी मारपीट की गई। घटना के विरोध के बाद स्थानीय लोगों ने माखननगर रोड पर जाम लगा दिया। हालांकि बाद में अधिकारियों की समझाइश के बाद यातायात चालू किया गया। मामले में कोतवाली थाने में पुलिस ने देर शाम को राजा, सुरेंद्र सिंह, अवधेश सिंह, योगेंद्र सिंह, नेत्रपाल सिंह, नागेंद्र सिंह, आकाश

शर्मा सहित अन्य लोगों पर मामला दर्ज किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक संभागीय मुख्यालय पर दिन दहाड़े इस तरह की वारदात होना, शहर की कानून व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर रही है। मामले को लेकर मंगलवार दोपहर भाजपा जिला पदाधिकारी व करणी सेना के सदस्यों के साथ ही अधिवक्ता भी कोतवाली पहुंचे। साथ ही आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बताया अधिवक्ता/पेट्रोलपंप संचालक और स्टाफ के साथ मारपीट की वारदात हुई है। इस मामले में कुछ आरोपितों पर मामला दर्ज किया गया है। विवेचना के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कचरा फेंकने के विवाद में मारपीट, वृद्ध की मौत

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र में स्थित धर्माश्री इलाके में मंगलवार रात पड़ोस में रहने वाले दो परिवारों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि जमकर मारपीट हुई। लाठी-डंडे और लात-घूंसे चले। मारपीट में 60 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर घायल हुए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटनाक्रम की सूचना पर बुधवार को अस्पताल में लोगों की भीड़ जमा हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा बनाया। पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया गया है। जानकारी के अनुसार, पुरुषोत्तम यादव उम्र 40 साल निवासी धर्माश्री रोड और पड़ोस में रहने वाले नरेंद्र, सुरेंद्र यादव के परिवारों के बीच मंगलवार रात विवाद हो गया। विवाद घर के सामने नाली और कचरा फेंकने की बात को लेकर हुआ। गालीगलौज के बाद विवाद

बढ़ा और जमकर मारपीट हुई। पुरुषोत्तम यादव के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की गई। विवाद होते देख क्षेत्र के लोग मौके पर पहुंचे और बीचबचाव कर मामला शांत कराया। घायल अवस्था में पुरुषोत्तम यादव को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर मोतीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की है। वहीं मृतक के परिजन ने हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने वारदात के विरोध में चक्काजाम कर दिया। एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा ने बताया कि पड़ोसियों में कचरा फेंकने और नाली को लेकर विवाद हुआ था। विवाद में मारपीट हुई। मारपीट के दौरान 60 वर्षीय व्यक्ति घायल हुए। जिनकी इलाज के दौरान मौत हुई है। मामला दर्ज कर जांच में लिया है। पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होगा।

खंडवा में तीसरी क्लास की छात्रा से 'बैड टच'

टीचर बोला- 3 महीने बाद आई थी, डांटा तो झूठा आरोप लगाया; कोर्ट से मिली जमानत

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के ग्राम चिकटीखाल के प्राइमरी स्कूल में टीचर द्वारा तीसरी क्लास की छात्रा के साथ 'बैड टच' करने का मामला सामने आया है। मूंदी पुलिस ने 54 वर्षीय आरोपी टीचर बाबूलाल तिलके को मंगलवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जमानत मिल गई।

टीचर पर पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। वहीं, टीचर का कहना है कि बच्ची 3 महीने से स्कूल नहीं आ रही थी, डांटने पर परिजनों ने झूठा आरोप लगा दिया।

सीने और सिर पर हाथ फेरने का आरोप: 10 वर्षीय छात्रा ने आरोप लगाया कि 7 फरवरी को टीचर ने उसका सीना दबाया और सिर पर हाथ फेरा।

छात्रा ने घर जाकर परिजनों को यह बात बताई। इसके बाद सोमवार को परिजन स्कूल पहुंचे और टीचर के साथ मारपीट की। स्कूल में हंगामा होते देख ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। सोमवार देर शाम परिजनों ने मूंदी थाने में शिकायत दर्ज कराई।

टीचर की सफाई- बच्ची से काम कराते हैं घरवाले : आरोपी टीचर बाबूलाल तिलके ने पुलिस को बताया कि आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं।

छात्रा पिछले 3 महीने से स्कूल नहीं आई थी। जब वह आई तो मैंने उसे पास बुलाकर डांटा और कहा कि रोज स्कूल आना, वरना घर से पीटते हुए लाऊंगा। मैंने उसके घरवालों से भी कहा कि बेटी को स्कूल भेजो, उससे काम मत कराओ। इसी बात से नाराज होकर उन्होंने ये मनगढ़ंत आरोप लगाए हैं।

कट्टा अड़ाकर इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी से 7 लाख की लूट

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह सागर रोड पर देहात थाना क्षेत्र के परसौरिया गांव के पास मंगलवार रात एक इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी से 7 लाख रुपएकी लूट हो गई। तीन अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने कट्टा अड़ाकर इस वारदात को अंजाम दिया। घायल व्यापारी को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दमोह में किसान भवन के सामने दुकान चलाने वाले व्यापारी राजा सिंधी उर्फ राजकुमार नागदेव गढ़ाकोटा में पैसों की वसूली के लिए गए थे। उनका माल गढ़ाकोटा की कई दुकानों पर सप्लाई होता है। वसूली के बाद मंगलवार रात वे वापस लौट रहे थे। गढ़ाकोटा से कुछ ही दूरी पर परसौरिया गांव के समीप एक बाइक पर आए तीन बदमाशों ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से व्यापारी नीचे गिर गए।

आर अश्विन पाकिस्तानी खिलाड़ी उस्मान तारिक के पक्ष में उतरे, गेंदबाजी एक्शन पर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक का समर्थन किया है। अपने गेंदबाजी एक्शन की वजह से आलोचना का शिकार हो रहे तारिक के बारे में अश्विन ने कहा कि रोक सिर्फ गेंदबाजों के लिए नहीं होनी चाहिए। बुधवार को, पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने तारिक के रन-अप के दौरान रुकने की आलोचना की और इसकी तुलना फुटबॉल के एक नियम में बदलाव से की, जिसके तहत खिलाड़ी पेनल्टी रन-अप के दौरान रुक नहीं सकते। गोस्वामी ने एक्स पर लिखा, फुटबॉल में भी अब खिलाड़ी पेनल्टी रन-अप के दौरान रुक नहीं सकते। यह कैसे ठीक है? एक्शन- सब ठीक है। लेकिन रुकना? वह भी गेंद डालने के समय। इसे जारी नहीं रखा जा सकता।

अश्विन ने गोस्वामी के इसी पोस्ट का जवाब देते हुए एक्स पर लिखा, सहमत हूं कि फुटबॉल इसकी इजाजत नहीं देता। जब बल्लेबाज को एक तरफ से बैटिंग शुरू करने के बाद अंपायर या गेंदबाज को बताए बिना स्विच-हिट या रिवर्स करने की इजाजत दी जा सकती है, तो ये पाबंदियां सिर्फ गेंदबाज तक ही क्यों हैं? असल में गेंदबाज को अंपायर को बताए बिना जिस हाथ से वह गेंदबाजी करता है, उसे बदलने की इजाजत नहीं है। उन्हें पहले वह नियम बदलना चाहिए।

अश्विन को इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा। इसके बाद फिर उन्होंने लिखा, मैं इसे जितना हो सके साफ कर दूं। सबसे पहले, उनके गेंदबाजी एक्शन की वैधता सिर्फ आईसीसी गेंदबाजी एक्शन जांच केंद्र में ही की जा सकती है। दूसरा, एक 15-डिग्री का नियम है जिसके तहत गेंदबाज को अपनी कोहनी सीधी रखनी होती है, और ऑन-फील्ड अंपायर यह तय नहीं कर सकता कि कोई गेंदबाज उस 15-डिग्री के अंदर गेंदबाजी कर रहा है या नहीं। इसका एकमात्र हल वास्तविक समय में जांच के लिए मशीन की व्यवस्था है। ऊपर बताई गई बातें एक ग्रे एरिया हैं और किसी पर ग्रे एरिया का इस्तेमाल करने का आरोप लगाना गलत है। आखिर में, क्रीज पर रुकना वैध है या नहीं? मेरा मानना ??है कि यह पूरी तरह से वैध है क्योंकि वह उनका नियमित एक्शन है। अपनी बांह में साफ दिखने वाले मोड़ और एक अलग तरह के रन-अप के लिए जाने जाने वाले तारिक को अपने एक्शन की कानूनी वैधता और क्या यह टॉप टी20 लीग सहित अंतरराष्ट्रीय जांच में खरा उतरेगा, इस पर सवालों का सामना करना पड़ा है।

तारिक ने अमेरिका के खिलाफ 3 विकेट लेकर पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद उनके गेंदबाजी एक्शन को लेकर फिर से बहस छिड़ गई है।

सर्जरी सफल रही, बेन स्टोक्स ने अपनी इंजरी पर दी अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स को अभ्यास सत्र के दौरान चेहरे पर गेंद लगने से गंभीर इंजरी हो गई थी। इंजरी का सफल ऑपरेशन हुआ है। इसकी जानकारी स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर दी है। बेन स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन के बाद अपने चेहरे की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, हो सकता है ऐसा न लगे, लेकिन सर्जरी सफल रही। 34 साल के स्टोक्स को चोट तब लगी थी जब वह नेट्स के किनारे खड़े थे। पिछले सप्ताह उन्होंने इंस्टाग्राम पर ही अपनी इंजरी की जानकारी दी थी। स्टोक्स ने पिछले महीने सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और आखिरी एशेज टेस्ट के दौरान एडक्टर इंजरी के कारण मैदान छोड़ा था। उसके बाद हुई इस इंजरी ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। बेन स्टोक्स मौजूदा समय में एकमात्र ऐसे बड़े खिलाड़ी हैं, जो पहली प्राथमिकता टेस्ट क्रिकेट को देते हैं। वनडे विश्व कप 2023 के बाद से उन्होंने इंग्लैंड के लिए सीमित ओवरों का कोई मैच नहीं खेला है।

स्टोक्स की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान हो सकती है। इस बीच, वह काउंटी चैंपियनशिप में डरहम के लिए खेलकर अपनी फिटनेस हासिल करने की कोशिश कर सकते हैं। सक्रिय क्रिकेटर होने के बावजूद बेन स्टोक्स के कोचिंग करने की भी सूचना थी। वह अबू धाबी में पाकिस्तान शाहीन के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए मोईन अली और एंड्रयू फ्लिंटॉफ के साथ इंग्लैंड लायंस के कोचिंग स्टाफ में शामिल होने वाले थे। चयनकर्ताओं के मुताबिक, फरवरी और मार्च में होने वाली इस सीरीज में तीन टी20 मैचों के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम और पांच 50-ओवर के मैचों के लिए 16 खिलाड़ियों का ग्रुप होगा। बेन स्टोक्स के सामने असली चुनौती टेस्ट कप्तान के रूप में इंग्लैंड के प्रदर्शन को पटरी पर लाना है। इंग्लैंड का टेस्ट खेलने का बैजबॉल अंदाज बड़ी टीमों के खिलाफ बुरी तरह असफल रहा है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में 4-1 से हार के बाद स्टोक्स और मैकुलम की कप्तान-कोच की जोड़ी पर सवाल उठे थे।

जर्मन कप: शूटआउट ड्रामा के बाद फ्रीबर्ग ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

बर्लिन, एजेंसी। एससी फ्रीबर्ग ने रोमांचक मुकाबले में हर्था बीएससी को पेनल्टी शूटआउट में 6-5 से हराकर जर्मन कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर रहीं, जिसके बाद मैच का परिणाम पेनल्टी के माध्यम से आया। मैच के तीसरे ही मिनट में फ्रीबर्ग के युइटो सुजुकी ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। हर्था ने भी आक्रामक खेल दिखाया और मार्टन विंकलर ने हेडर से मौका बनाया, लेकिन सफलता नहीं मिली। फैबियन रीस ने गेंद को गोललाइन के पार पहुंचाया, लेकिन वीएआर समीक्षा के बाद गोल को खारिज कर दिया गया। पहले हाफ के अंत तक फ्रीबर्ग ने वापसी की कोशिशें तेज कीं। डेरी शेरहंट ने दो बार गोलकीपर ट्जार्क अर्नस्ट की परीक्षा ली, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। दूसरी ओर, फ्रीबर्ग के गोलकीपर फ्लोरियन मुलर ने भी लिनस गेचटर के हेडर को रोककर टीम को बराबरी पर बनाए रखा। दूसरे हाफ में खेल की रफ्तार कुछ धीमी रही और मौके कम बने। अतिरिक्त समय में मुकाबला फिर रोमांचक हुआ। 96वें मिनट में सुजुकी ने गेचटर की गलती का फायदा उठाकर गोल किया और फ्रीबर्ग को बढ़त दिला दी। हालांकि, आठ मिनट बाद हर्था ने वापसी करते हुए रीस के शानदार शॉट से स्कोर 1-1 कर दिया। पेनल्टी शूटआउट में दोनों टीमों ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया। हर्था के माइकल कुइसेंस की पेनल्टी को मुलर ने बचा लिया, जबकि फ्रीबर्ग के जोहान मंजांबी चूक गए। 4-4 की बराबरी के बाद सुजुकी ने फिर गोल दागा और अंत में मुलर ने पास्कल क्लेमेंस की पेनल्टी रोककर फ्रीबर्ग की जीत सुनिश्चित कर दी। फ्रीबर्ग अब बायर लेवरकुसेन और वीएफबी स्टटगार्ट के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया है। शेष क्वार्टरफाइनल बायर्न म्यूनिख और आरबी लीपजिग के बीच खेला जाएगा।

टी20 विश्व कप: डिकॉक और रिकल्टन का अर्धशतक

दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को दिया 188 रन का लक्ष्य

अहमदाबाद, एजेंसी। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप डी का मुकाबला अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 187 रन बनाए हैं। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खराब रही थी। कप्तान एडन मार्करम 8 गेंद पर 5 रन बनाकर पहले विकेट के रूप में फजलहक फारुखी का शिकार बने। 12 रन पर पहला विकेट गंवाने वाली टीम को क्विंटन डिकॉक और रयान रिकल्टन ने संभाला।

डिकॉक और रिकल्टन ने दूसरे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी की। यह साझेदारी 61 गेंदों पर आई। खतरनाक होती इस साझेदारी को अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने तोड़ा। राशिद ने पारी के 13वें ओवर की चौथी गेंद पर डिकॉक और छठी गेंद पर रिकल्टन को आउट कर विपक्षी टीम को दोहरा झटका दिया।

डिकॉक 41 गेंद पर 3 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 59 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकल्टन 28 गेंद पर 4 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुए।

डेवाल्ड ब्रेविस 19 गेंद पर 1 छक्के और 1 चौके की मदद से 23 रन बनाकर आउट हुए। ट्रिस्टन स्टब्स फ्लॉप रहे और महज 1 रन बनाकर चलते बने।

डेविड मिलर (15 गेंद पर 20 रन) और मार्को जानसेन (7 गेंद पर 16 रन) ने आखिरी कुछ गेंदों पर तूफानी बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 187 तक पहुंचाया। अफगानिस्तान की तरफ से राशिद खान ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए। फजलहक फारुखी ने 4 ओवर में 32 रन देकर 1 विकेट लिए। ऑलराउंडर अजमतुल्ला ओमरजाई ने 4 ओवर में 41 रन देकर 3 विकेट लिए।

टी20 विश्व कप: श्रीलंका को बड़ा झटका, वानिंदु हसरंगा टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 की सह-मेजबान श्रीलंका को बड़ा झटका लगा है। दिग्गज स्पिनर वानिंदु हसरंगा इंजरी की वजह से विश्व कप से बाहर हो गए हैं। हसरंगा को कोलंबो में रविवार को आयरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। सोमवार को हुए एमआरआई स्कैन में उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट का पता चला। यूके के एक विशेषज्ञ द्वारा उनकी इंजरी रिपोर्ट देखने के बाद उन्हें टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया गया। श्रीलंकाई मीडिया के अनुसार इंजरी की वजह से हसरंगा चार सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। हसरंगा का विश्व कप से बाहर होना श्रीलंका के लिए बहुत बड़ा झटका है। वह न सिर्फ एक बेहतरीन और मैच जिताऊ गेंदबाज हैं, बल्कि निचले क्रम के उपयोगी बल्लेबाजी से भी कई बार वह श्रीलंका को जीत दिला चुके हैं।

आयरलैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज के पहले मैच में भी हसरंगा ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी और 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

हसरंगा की जगह टीम में लेगस्पिनर दुशान हेमंथा को शामिल किया जा सकता है। 31 साल के हेमंथा ने श्रीलंका के लिए अब तक 5 वनडे और तीन टी20 खेले हैं, जिसमें उन्होंने 6 विकेट लिए हैं। श्रीलंका का दूसरा ग्रुप मैच 12 फरवरी को पल्लेकेले में ओमान के खिलाफ है। इसके बाद 16 फरवरी को पल्लेकेले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और आखिर में 19 फरवरी को कोलंबो में जिम्बाब्वे के खिलाफ है।

श्रीलंका ने आयरलैंड के खिलाफ अपने पहले मैच में आयरलैंड पर 20 रन से जीत दर्ज की थी। कामिंडू मेंडिस के 19 गेंदों में 44 रन और कुसल मेंडिस के नाबाद 56 रन की मदद से श्रीलंका ने खराब शुरुआत के बाद छह विकेट पर 163 रन बनाए थे। 164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम रॉस एडेयर (23 गेंद पर 34 रन) और हैरी टेक्टर (34 गेंद पर 40 रन) की जुझारू पारियों के बावजूद 19.5 ओवर में 143 रन पर आउट हो गई थी।

भारत के खिलाफ मैच को हम सामान्य मैच की तरह लेंगे: साहिबजादा फरहान

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने नीदरलैंड और यूएसए के खिलाफ अपने शुरुआती ग्रुप स्टेज के मैच जीत लिए हैं। पाकिस्तान का अगला मुकाबला 15 फरवरी को भारत के साथ कोलंबो में होना है। भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच में दोनों टीमों के खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव रहता है। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने किसी दबाव से इनकार किया है। यूएसए के खिलाफ जीत के बाद फरहान ने कहा, जब आप दो लगातार मैच जीतते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। आने वाला मैच कोई बड़ी बात नहीं है, हम उनके खिलाफ पहली बार नहीं खेल रहे हैं। पहले भी खेल चुके हैं। इस बार उनके खिलाफ हम अलग माइंडसेट के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा, आपने हमें पहले मुश्किल हालातों में और संघर्ष करते हुए देखा है, लेकिन अब शादाब और नवाज रन बना रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि हमारा उनके खिलाफ मैच रोमांचक होगा और आप सभी को आनंद आएगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ वर्षों में हुए मैच एकतरफा रहे हैं और भारत ने आसानी से जीत हासिल की है। इस सवाल पर फरहान ने कहा कि मुझे लगता है कि एशिया कप के दौरान हमारा मैच एकतरफा नहीं था। हम आखिर तक खेले और लड़े। उम्मीद है कि इस बार हम शानदार खेल दिखाएंगे। फरहान ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। पिछली दो पारियों के बाद मेरा आत्मविश्वास भी बढ़ा है। भारत के खिलाफ मैच को हम एक सामान्य मैच की तरह लेंगे और रविवार के मैच में शांत मन से खेलने के लिए तैयार हैं।

साहिबजादा फरहान ने पाकिस्तान की ओपनिंग बल्लेबाजी को मजबूती दी है। नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में उन्होंने 31 गेंद पर 47 रन बनाए थे। वहीं अमेरिका के खिलाफ 41 गेंद पर 73 रन की पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

पाकिस्तान का अपने तेज गेंदबाजों से उठा भरोसा, 20 में 16 ओवर स्पिनर्स ने फेंके

कोलंबो, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 में मंगलवार को कोलंबो में पाकिस्तान और यूएसए के बीच मैच खेला गया। पाकिस्तान ने इस मैच में 32 रन से जीत दर्ज की। पाकिस्तान की इस जीत में उनके स्पिनरों की अहम भूमिका रही। पारी की 80 प्रतिशत गेंदें स्पिनरों ने ही फेंकी। जब यूएसए की पारी शुरू हुई, तो उम्मीद थी कि पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा कुछ ओवर तेज गेंदबाजों से भी कराएंगे, लेकिन शाहीन अफरीदी को छोड़कर आगा किसी भी तेज गेंदबाज की तरफ नहीं गए। 20 ओवर में शाहीन ने 4 ओवर फेंके। इसके अलावा बाकी के सभी 16 ओवर पाकिस्तान के कप्तान ने स्पिनरों से कराए और इसका परिणाम भी उन्हें जीत के रूप में मिला। पाकिस्तान के स्पिनरों सईम अयूब ने 1, अबरार अहमद ने 4, मोहम्मद नवाज ने 3, शादाब खान ने 4 और उस्मान तारिक ने 4 सहित कुल 16 ओवर की गेंदबाजी की। टीम में फहीम अशरफ भी थे जो तेज गेंदबाजी करते हैं, लेकिन उन्हें गेंद नहीं दी गई।

उस्मान तारिक ने 3, शादाब खान ने 2, और अबरार और नवाज ने 1-1 विकेट लेकर पाकिस्तान को यूएसए के खिलाफ जीत दिलायी।

टी20 में यह दूसरा मौका था जब पाकिस्तान ने सबसे ज्यादा (16 ओवर) स्पिनरों से फेंकवाया। इसके पहले 2012 में कोलंबो में ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान ने 20 में से 18 ओवर स्पिन गेंदबाजों से करवाए थे।

इसके अलावा 2012 में कोलंबो में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 ओवर, 2013 में किंग्सटन में वेस्टइंडीज के खिलाफ 15 ओवर, 2021 में मेनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ 15 ओवर और 2023 में हांग्झू में अफगानिस्तान के खिलाफ 15 ओवर पाकिस्तान के स्पिनरों ने फेंके थे। पाकिस्तान-यूएसए मैच की बात करें तो टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 9 विकेट पर 190 रन बनाए थे। यूएसए 20 ओवर में 8 विकेट पर 158 रन बना सकी और मैच 32 रन से हार गई।

नियद नेल्ला नार योजना से संवर रही वनांचल की राह

ग्राम बंडा के ग्रामीणों को मिला आत्मनिर्भरता का नया सहारा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नियद नेल्ला नार योजना ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब सरकार संवेदना, अवसर और कौशल के साथ लोगों तक पहुँचती है, तो बदलाव सिर्फ संभव ही नहीं बल्कि सुनिश्चित होता है। छत्तीसगढ के बस्तर की यह परिवर्तन यात्रा आने वाले समय में शांति, विकास और समृद्धि की स्थायी नींव तैयार करेगी। सुदूर वनांचल क्षेत्रों में शासन की योजनाएं अब ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग के संयुक्त प्रयासों से सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड अंतर्गत ग्राम बंडा के ग्रामीणों को आजीविका का नया अवसर मिला है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी नियद नेल्ला नार योजना एवं सुकर त्रई योजना के अंतर्गत ग्राम बंडा के अनुसूचित जनजाति वर्ग के 10 चयनित ग्रामीणों को उन्नत नस्ल के सुकर प्रदान किए गए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की आय बढ़ाना, उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना तथा आत्मनिर्भर बनाना है। सुकर पालन योजना के अंतर्गत उन्नत नस्ल के 1 नर और 2 मादा सुकर (कुल 3) सुकर प्रदान किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य विशिष्ट जाति/जन जाति के पशुपालकों को शामिल करना है। इस योजना में 90त्न तक का सरकारी अनुदान (सब्सिडी) शामिल है, जो छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संगठित करने के लिए संचालित सुकमा कलेक्टर के निर्देश और पशुपालन विभाग के उपसंचालक के मार्गदर्शन में कोंटा पशु चिकित्सालय की टीम ने ग्राम में पहुंचकर सुकर पालकों को सुकरों का वितरण किया। इस दौरान हितग्राहियों को सुकर पालन की सही विधि, संतुलित आहार, स्वास्थ्य देखभाल और बेहतर प्रबंधन की जानकारी भी दी गई, ताकि वे इस कार्य से नियमित आय अर्जित कर सकें। योजना से लाभान्वित ग्रामीणों ने बताया कि अब उन्हें गांव में ही रोजगार का अवसर मिल रहा है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और परिवार की जरूरतें आसानी से पूरी हो सकेंगी। ग्रामीणों ने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से उनके जीवन में नई उम्मीद जगी है। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ, दुर्गम और संचारविहीन क्षेत्रों में लोगों को शासन की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। इस प्रकार नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से वनांचल क्षेत्रों में आजीविका के नए रास्ते खुल रहे हैं और ग्रामीण आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहे हैं। ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगा है, जो उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'बस्तर पंडुम' बस्तर की बदली पहचान का सशक्त प्रतीक : प्रधानमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 7 से 9 फरवरी के बीच छत्तीसगढ़ में आयोजित बस्तर पंडुम को बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जनजातीय विरासत का भव्य उत्सव बताते हुए इससे जुड़े सभी सहभागियों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि एक समय बस्तर का नाम आते ही माओवाद, हिंसा और विकास में पिछड़ेपन की छवि उभरती थी, लेकिन आज परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल चुकी हैं। अब बस्तर शांति, विकास और स्थानीय लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास के लिए जाना जा रहा है। उन्होंने कामना की कि बस्तर का आने वाला समय शांति, प्रगति और सांस्कृतिक गौरव से परिपूर्ण हो।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह में उपमुख्यमंत्री ने घराती बन बारात परघाकर किया सभी का स्वागत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत सामाजिक रिती-रिवाजों और अभुतपूर्व उत्साह के साथ कबीरधाम जिले के 272 जोड़े एक साथ सात फेरे लेकर अटूट बंधन में बंध गए। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय वर्चुअल माध्यम से जुड़कर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

सरदार पटेल मैदान में आयोजित इस समारोह में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा शामिल वधुओं के परिजन बनकर शामिल हुए। इस अवसर में उन्होंने बारात का स्वागत करने के साथ सभी को परघाते हुए समधी की तरह सभी का अभिवादन किया। वरों एवं उनके परिजनों का फूल माला के साथ स्वागत

करते हुए सभी का गले लगाकर अभिनंदन किया। उन्होंने परिणय सूत्र में बंधकर नए जीवन की शुरुआत करने वाले सभी नवदंपतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पंडित द्वारा वर-वधुओं को सात वचनों का संकल्प दिलाया गया, जिसके साथ ही विवाह की रस्में संपन्न हुईं। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मंच पर पहुंचकर सभी नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया और शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को 35-35 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक और सामग्री भेंट किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भी आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से अनेक जोड़े एक साथ विवाह के पवित्र बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरुआत कर रहे हैं। वर्ष 2005 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की परेशानियों को समझते हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत की थी। पहले बेटियों की शादी के लिए परिवारों को कर्ज तक लेना पड़ता था, लेकिन इस योजना ने उनकी बड़ी चिंता दूर की है। इस पहल से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल मिला है और बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न हो रहा है।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नवदाम्पत वर एवं वधु को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से आज पूरे सम्मान के साथ कबीरधाम जिले के 272 बेटियों की विवाह पूरे रीति-रिवाज और सामाजिक परंपरा के साथ एक आदर्श विवाह के रूप में संपन्न कराया गया। आज हम सब इस सामुहिक विवाह के साक्षी बने और नवदाम्पत जोड़ों को एक साथ, एक स्थान और एक मंच पर उन्हें आशीर्वाद प्रदान करने का अवसर भी हम सबकों मिला।

उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से नवविवाहित जोड़ों को वर्तमान में 35 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें जीवन की नई शुरुआत में आर्थिक सहारा मिल सके।

सरकार प्रदेश का कर रही है सर्वांगीण विकास-मंत्री टंक राम वर्मा

खिलौरा को मिली विकास की सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा मंगलवार को विकासखंड सिमगा के ग्राम खिलौरा पहुंचे, जहां उनके प्रथम आगमन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने ग्राम खिलौरा में लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। लोकार्पित कार्यों में 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्रार्थना शेड, 1 करोड़ 2 लाख रुपये की लागत से निर्मित पानी टंकी, 3 लाख रुपये की लागत से रंगमंच उन्नयन, 5 लाख रुपये की लागत से मुक्तिधाम अहाता तथा 5 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन (बाल समाज) शामिल हैं। वहीं, 10 लाख रुपये और 9.85 लाख रुपये की लागत से बनने वाले पीडीएस भवन के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के हर नागरिक के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। पूरे प्रदेश में विकास कार्य तीव्र गति से संचालित हो रहे हैं और शासन की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचने से लोगों में खुशी और विश्वास का माहौल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चारों ओर समृद्धि की बयार बह रही है। मंत्री श्री वर्मा ने उपस्थित स्कूली बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाते हुए मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला एवं जनपद पंचायत के सदस्य, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पशुपालन योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे केंद्रीय दल

दुर्ग, बालोद और बेमेतरा में राष्ट्रीय गोकुल मिशन सहित अन्य चार योजनाएं जांच के दायरे में

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में संचालित केन्द्रीय पशुपालन योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग, नई दिल्ली द्वारा तीन राष्ट्रीय स्तर के पर्यवेक्षक (नेशनल लेवल मॉनिटर) नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी 9 से 14 फरवरी 2026 तक दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिलों का दौरा कर योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण करेंगे।

इस दौरान राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय दुग्ध विकास कार्यक्रम और पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम के क्रियान्वयन की स्थिति को मौके पर जाकर परीक्षण करेंगे। भ्रमण दल में भारत सरकार के दो वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं।

भ्रमण कार्यक्रम के पहले दिन संचालनालय स्तर पर ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव, पशुधन विकास विभाग तथा भारत सरकार के नोडल अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा केन्द्र से आए अधिकारियों और नेशनल लेवल मॉनिटर दल को योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा योजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। इसके बाद भारत सरकार से आए अधिकारी श्री मुकेश शर्मा, ने योजनाओं की समीक्षा । बैठक में राष्ट्रीय गोकुल मिशन और राष्ट्रीय दुग्ध विकास कार्यक्रम के तहत प्रदेश स्तरीय नोडल अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण दिया। वहीं पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम और राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत चल रही गतिविधियों की भी जानकारी दी गई।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य पशुपालकों को समय पर लाभ दिलाना और पशुधन स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करना है।

1962 कॉल सेंटर का किया निरीक्षण: नेशनल लेवल मॉनिटर और भारत सरकार के प्रतिनिधियों ने संचालनालय परिसर में स्थित मोबाइल वेटेनरी यूनिट के कॉल सेंटर 1962 का भी निरीक्षण किया और वहां संचालित सेवाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 305 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

विधायक लता उसेंडी सहित जनप्रतिनिधियों ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आज कोण्डागांव के विकास नगर मैदान में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 305 जोड़े परिणय सूत्र में बंधकर दाम्पत्य जीवन की नई शुरुआत की।

कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक लता उसेंडी, कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री नरपति पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

विधायक लता उसेंडी ने नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना द्वारा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा 50 हजार रुपये की सहायता राशि दी जा रही है। इसमें से 35 हजार रुपये की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में जमा की जाती है, जिससे नवदंपत्ति अपने भविष्य को बेहतर बनाने में उपयोग कर सकें। इस पहल से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को बेटियों के विवाह की चिंता दूर हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गरीब परिवारों को सशक्त बनाना है और हर वर्ग के कल्याण के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी नवविवाहित जोड़ों से एक-एक पेड़ लगाने का आग्रह किया।

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने भी नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नगर पालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। उन्होंने लोगों से विवाह आयोजनों में फिजूलखर्ची से बचने और पारंपरिक तरीके से विवाह संपन्न कराने की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में सभी नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 35 हजार रुपये का चेक वितरित किया गया। कार्यक्रम पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हुआ, जिसमें नवदंपत्तियों के परिजनों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में विधायक उसेंडी द्वारा उपस्थित नगारिकों को बाल विवाह के रोकथाम के लिए शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष श्री टोमेंद्र ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य भगवती नेताम, यशोदा कश्यप, श्री मनोज जैन, श्री जितेन्द्र सुराना, हिना श्रीवास्तव सहित पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि,सहित अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हुआ घर का सपना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत अनेक जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। राजनांदगांव नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक-3 मोतीपुर की निवासी मधु वर्मा के जीवन में यह योजना आशा और स्थायित्व का आधार बनी है। पति के निधन के पश्चात मधु वर्मा पर परिवार की पूरी जिम्मेदारी आ गई। दो बेटियों के पालन-पोषण के लिए वे एक निजी स्कूल में रसोइया के रूप में कार्य कर रही थीं। किराये के मकान में निवास के दौरान आर्थिक तंगी और किराया चुकाने की चिंता उनके जीवन का हिस्सा बनी रही। छुट्टियों के समय आय कम होने से भविष्य को लेकर असुरक्षा बनी रहती थी।

इसी बीच उनकी बड़ी बेटी सुजाता को एक निजी कंपनी में रिसेप्शनिस्ट के रूप में रोजगार मिला। मां-बेटी ने मिलकर बचत की और एक छोटा भूखंड खरीदा। इसके बाद मधु वर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत आवेदन किया, जिसे शीघ्र ही स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति उपरांत वास्तुविद के मार्गदर्शन में एक पक्का, सर्वसुविधायुक्त आवास निर्मित किया गया। आज अपने सुंदर एवं सुरक्षित घर में निवास करते हुए मधु वर्मा गर्व और संतोष का अनुभव कर रही हैं। उन्होंने अपने जीवन में आए इस सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को मिला शैक्षणिक भ्रमण का अवसर

'नियद नेल्लानार' योजना के तहत मिसमा और सामसट्टी के विद्यार्थियों ने देखा विज्ञान का संसार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप वनांचल एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सुकमा जिला प्रशासन की पहल पर 'नियद नेल्लानार' योजना के अंतर्गत माध्यमिक शाला मिसमा और बालक आश्रम सामसट्टी के 40 विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को साइंस पार्क ले जाया गया, जहाँ उन्होंने विज्ञान से जुड़े विभिन्न प्रयोगों को प्रत्यक्ष रूप से देखा और समझा। न्यूटन के नियम, ऊर्जा के रूपांतरण, ध्वनि के सिद्धांत, धूप घड़ी से समय मापन, पेंडुलम की गति तथा दर्पणों से जुड़े प्रयोगों ने बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाई। इससे विद्यार्थियों को किताबों में पढ़े विषयों को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर मिला।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थी कलेक्टर कार्यालय भी पहुंचे, जहाँ उन्हें प्रशासनिक कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें शिक्षा, अनुशासन और मेहनत के महत्व के बारे में बताया तथा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को तुंगल बांध भी ले जाया गया, जहाँ उन्होंने प्राकृतिक वातावरण, जैव विविधता और जल संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ। 'नियद नेल्लानार' योजना के माध्यम से शासन द्वारा वनांचल क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए सार्थक पहल की जा रही है।

जल संरक्षण से आजीविका तक:

छत्तीसगढ़ में 'आजीविका डबरी' अभियान बना ग्रामीण बदलाव की धुरी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण, ग्रामीण रोजगार और सतत आजीविका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'मोर गांव मोर पानी' महाअभियान के अंतर्गत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत आजीविका डबरी (फार्म पोंड) निर्माण का विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभिनव पहल के अंतर्गत प्रदेशभर में 10,000 से अधिक आजीविका डबरी का निर्माण कार्य प्रगति पर है। यह कार्य समाज के सबसे कमजोर वर्ग के हितग्राहियों की निजी भूमि पर किया जा रहा है, जिससे एक ओर वर्षा जल संरक्षण सुनिश्चित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर दीर्घकालीन एवं टिकाऊ आजीविका के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। अभियान के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि जल संसाधन और आवास आधारित आजीविका को एकीकृत रूप में मजबूत किया जा सके।

इस योजना के माध्यम से जहां मनरेगा के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो रहा है, वहीं वर्षा जल संचयन को संस्थागत रूप से बढ़ावा मिल रहा है। आजीविका डबरी के माध्यम से अंतर्विभागीय अभिसरण के तहत कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य जल

आधारित गतिविधियों की योजनाबद्ध रूप से रूपरेखा तैयार कर उनका क्रियान्वयन किया जाएगा।

प्रत्येक आजीविका डबरी का निर्माण निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप 20 मीटर म 20 मीटर म 3 मीटर आकार मं) किया जा रहा है। जल की गुणवत्ता और दीर्घकालीन टिकाऊपन सुनिश्चित करने के लिए इनलेट-आउटलेट व्यवस्था तथा सिल्ट अरेस्टिंग चैंबर की अनिवार्य व्यवस्था की गई है।इस अभियान में पंचायतों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। डबरी निर्माण कार्य का शुभारंभ पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति में किया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर विषय पर विस्तृत चर्चा कर हितग्राहियों की जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा की जा रही है, जिससे पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही हितग्राहियों से आवश्यक अंशदान भी लिया जा रहा है, ताकि स्वामित्व और सहभागिता की भावना मजबूत हो।

आजीविका डबरी का निर्माण सैटेलाइट आधारित क्लार्ट ऐप के माध्यम से वैज्ञानिक ढंग से 'रिज-टू-वैली एप्रोच' पर किया जा रहा है। यह कार्य विभिन्न विभागों के अभिसरण के साथ कन्वर्जेन्स पैकेज के रूप में लागू किया जा रहा है। पंचायतों के साथ-साथ प्रदान, ट्राइफ, एफईएस सहित अन्य सिविल सोसायटी संगठनों का भी सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है।

सभी निर्माण कार्यों को बारिश से पूर्व पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रति आजीविका डबरी अधिकतम लागत तीन लाख रुपये तय की गई है। जल संरक्षण के साथ-साथ निजी भूमि पर टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण के माध्यम से यह पहल ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण, अभिनव और अनुकरणीय मॉडल के रूप में उभर रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा